दिनांक 14.4.2025

News Received — online

कोर विश्वविद्यालय ने गुरु सम्मान-2025 में 228 शिक्षकों और 42 प्रधानाचार्यों को किया सम्मानित

रुड़की। रविवार को कोर विश्वविद्यालय, रुड़की ने गुरु सम्मान-2025 का भव्य आयोजन किया। इस समारोह में, विश्वविद्यालय

ने शिक्षा जगत में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 228 शिक्षकों और 42 प्रधानाचार्यों को सम्मानित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलसचिव के स्वागत भाषण से हुआ। अध्यक्ष जे.सी. जैन ने विश्वविद्यालय की सामाजिक प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए इस पहल को शिक्षक सम्मान की दिशा में एक अद्वितीय प्रयास बताया। विश्वविद्यालय के डीन और विभागाध्यक्षों ने अपने-अपने पाठ्यक्रमों की विस्तृत जानकारी साझा की। कार्यक्रम में, विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य को लेकर स्कूलों और विश्वविद्यालय के मध्य एक सार्थक संवाद आयोजित किया गया। शिक्षकों और विश्वविद्यालय के प्रतिनिधियों ने शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और छात्रों के भविष्य को संवारने के लिए सहयोग की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया। विश्वविद्यालय ने शिक्षकों को विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं के बारे में भी अवगत कराया। कुलसचिव ने कहा कि 'शिक्षक समाज के शिल्पकार हैं, जो छात्रों को ज्ञान और नैतिक मूल्यों से परिपूर्ण करते हैं। यह सम्मान समारोह उनके अतुलनीय योगदान के प्रति हमारी कृतज्ञता का प्रतीक है।'

अध्यक्ष जे.सी. जैन ने शिक्षकों के साथ मिलकर काम करने की विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता दोहराई और छात्रों को सर्वोत्तम शिक्षा प्रदान करने का संकल्प लिया। शिक्षकों और प्रधानाचार्यों ने विश्वविद्यालय की इस पहल की सराहना की और इसे अपने कार्य के प्रति प्रेरणादायक बताया। कार्यक्रम में अध्यक्ष जे.सी. जैन, उपाध्यक्ष श्रेयांस जैन, कुलपति डॉ. अंकुश मित्तल, डॉ. मनीष कुमार कुलसचिव एवं निदेशक मेडिकल की उपस्थिति ने कार्यक्रम को और भी गौरवशाली बनाया। कार्यक्रम के सफल समन्वय में नवनीत विवेक, प्रबंधक मार्केटिंग एवं ब्रांडिंग और अनुराग सिंह, चीफ वार्डन का सराहनीय योगदान रहा। संकाय और कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी ने इस आयोजन को सफल बनाया।

दिनांक 27.4.2025 अमर उजाला

नुक्कड़ नाटक से कानून के प्रति किया जागरूक

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में आयोजित हुआ कार्यक्रम

संवाद न्यूज एजेंसी

बहादराबाद। कोर विश्वविद्यालय के विधि संकाय ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सहयोग से विधिक सहायता और जागरूकता शिविर का आयोजन किया।

बहादराबाद के पंचायत घर में ग्रामीणों को कानून के प्रति जागरूक किया गया। उनकी विधिक समस्याओं का समाधान भी हुआ। शिविर में विधि के छात्रों ने ग्रामीणों को यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) महिलाओं के अधिकार, साइबर अपराध, और उपभोक्ता कानून से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी नुक्कड़ नाटक के जरिए दी।

बहादराबाद पंचायत घर में नुक्कड़ नाटक करते छात्र-छात्राएं। संवाद

कार्यक्रम का आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव व सिवि जज सीनियर डिवीजन सिमरनजीत कौर के निर्देशन में हुआ। उन्होंने महिला सशक्तिकरण, लेबर लॉस और सामान्य सहायता के बारे में जानकारी 66 दी।

ग्रामीणों को उनके कानूनी अधिकारों और न्यायिक प्रक्रियाओं के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान डॉक्टर जेएन सिंह, यशवीर सिंह, प्रियंका मित्तल, आकांक्षा शर्मा, डॉ. रागनी, बहादराबाद ग्राम प्रधान नीरज चौहान आदि लोग मौजूद रहे।

दिनाक 27.4.2025 News Received - online

कोर विश्व विद्यालय की एनएसएस इकाई ने मूलदासपुर माजरा में चलाया मतदान जागरूकता अभियान

रुड़की। कोर विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई ने आज विकासखंड, रुड़की के गांव

मूलदासपुर माजरा में एक मतदान जागरूकता अभियान का आयोजन किया। इस पहल के तहत स्वयंसेवकों ने ग्राम प्रधान और ग्रामीण समुदाय के सदस्यों से संवाद किया तथा मतदान के महत्व के प्रति जागरूकता फैलाई। विशेष रूप से पहली बार मतदान करने वाले युवाओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए उन्हें लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने और अपने मताधिकार का सदैव प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया गया।

इस आयोजन की उपस्थिति में डॉ. अमरनाथ (संयोजक), सुश्री बलजीत कौर (सदस्य), देवांश मित्तल और नेहा शर्मा (छात्र समन्वयक, एनएसएस इकाई) उपस्थित रहे। उनके मार्गदर्शन और सक्रिय सहभागिता ने इस अभियान को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई। इस प्रकार की पहलों के माध्यम से एनएसएस इकाई नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देती है और हमारे देश के लोकतांत्रिक मूल्यों को सशक्त करने का कार्य करती है।

दैनिक न्यूज़ उत्तराखंड

Tuesday 11th February 2025

website:
www.dainiknewsuttarakhand.com

कोर विश्वविद्यालय ने 10 फरवरी, 2025 को इंजीनियर्स वीक 2K25 का गर्व से उद्घाटन किया

(सववाददाता ब्रह्मानंद चौधरी रुड़की) रुड़की। कोर विश्वविद्यालय ने 10 फरवरी, 2025 को इंजीनियर्स वीक 2K25 का गर्व से उद्घाटन किया। यह पांच दिवसीय कार्यक्रम, कोर इंजीनियरिंग के बैनर तले आयोजित किया गया, 10 फरवरी से 14 फरवरी, 2025 तक चलेगा। इस कार्यक्रम में सिविल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग के छात्रों और फैकल्टी सदस्यों की उत्साही भागीदारी देखी गई, जो तकनीकी प्रगति और इंजीनियरिंग उत्कृष्टता का जश्न मनाने के लिए एकत्रित हुए। भव्य उद्घाटन 10 फरवरी, 2025 को कंप्यूटिंग ब्लॉक सेमिनार हॉल (सीबी-105) में हुआ। समारोहिक दीप प्रज्वलन की अगुवाई प्रेसिडेंट श्री जे.सी. जैन ने की, जिनके साथ प्रतिष्ठित अतिथि उपस्थित थे। इसके बाद एक सम्मान समारोह हुआ, जहां उप-कुलपति डॉ. अंकुश मित्तल ने प्रेसिडेंट श्री जे.सी. जैन का सम्मान किया, और डीन इंजीनियरिंग, डॉ. प्रभात कुमार ने आमंत्रित वक्ता, श्री धर्मेंद्र यादव, सेटपा इन्फोटेक लिमिटेड से, का उत्साह से स्वागत किया। उपकुलपति डॉ. अंकुश मित्तल ने स्वागत भाषण दिया, जिससे कार्यक्रम के लिए मंच तैयार हुआ, जबकि प्रेसिडेंट श्री जे.सी. जैन ने छात्रों को नवाचार को अपनाने और लगातार विकसित हो रहे इंजीनियरिंग परिदृश्य में आगे रहने के लिए प्रेरित किया। पहले दिन में छात्रों को आधुनिक इंजीनियरिंग उपकरणों के व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए आकर्षक तकनीकी सत्र शामिल थे। सत्रों में अर्दुइनो का परिचय, प्रयोग की कला, इनपुट और आउटपुट, डीसी मोटर्स, सर्वो मोटर्स और आईओटी का परिचय शामिल था। आमंत्रित वक्ता ने व्यावहारिक प्रदर्शन का नेतृत्व किया, जिससे छात्रों की समकालीन इंजीनियरिंग अवधारणाओं और अनुप्रयोगों की समझ में वृद्धि हुई। दिन का समापन एक स्मृति चिन्ह प्रस्तुति के साथ हुआ, जहां डॉ. नितेश दत्त, यांत्रिक इंजीनियरिंग के प्रमुख, ने उनके मूल्यवान योगदान के लिए आमंत्रित वक्ता को सम्मानित किया। अकादमिक के अलावा, कार्यक्रम में एक जीवंत सांस्कृतिक संध्या भी शामिल थी, जहां छात्रों ने अंताक्षरी, लाइव प्रदर्शन और मनोरंजक गतिविधियों का आनंद लिया, जिससे एक आकर्षक और उत्सवपूर्ण माहौल बना। इंजीनियर्स वीक 2K25 छात्रों के लिए उभरती प्रौद्योगिकियों का पता लगाने, अपने तकनीकी ज्ञान का विस्तार करने और सहयोगात्मक सीखने में संलग्न होने के लिए एक गतिशील मंच के रूप में कार्य करता है। यह कार्यक्रम सिविल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग, और मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभागों द्वारा आयोजित किया गया है, और इसका ध्यान निम्नलिखित प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित है: इंटरनेट ऑफ थिंग्स, औद्योगिक स्वचालन, परियोजना कार्यान्वयन, बौद्धिक संपदा अधिकार, ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज। कोर विश्वविद्यालय छात्रों को अत्याधुनिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुभव से लैस करने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि वे आत्मविश्वास और विशेषज्ञता के साथ भविष्य की इंजीनियरिंग चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हो सकें।

दैनिक न्यूज़ उत्तराखंड

Monday 10th February 2025

website:
www.dainiknewsuttarakhand.com

08 फ़रवरी 2025 को COER विश्वविद्यालय में आयोजित हैकथॉन 3.0

(सववादददाता ब्रह्मानंद चौधरी रुड़की) रुड़की। COER विश्वविद्यालयमें 12 घंटे का हैकथॉन 3.0 आयोजित किया गया । हैकाथॉन 3.0 के उद्धाटन शानदार उत्साह के साथ हुआ। उद्घाटन के समय विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अंकुश मित्तल उपस्थित रहे । इस प्रतिस्पर्धा में कुल 80 टीमों ने भाग लिया, जिसमें छात्रों ने अपनी तकनीकी कुशलता और समस्या-समाधान क्षमता का प्रदर्शन करते हुए विभिन्न परियोजनाओं पर काम किया। हैकथॉन 3.0 08 फ़रवरी 2025 को सुबह 8 बजे से शुरू होकर रात 8 बजे तक चलने वाले इस हैकथॉन का उद्देश्य छात्रों को सीमित समय में प्रभावी समाधान विकसित करने के लिए प्रेरित करना था। छात्रों ने साइबर सुरक्षा, ई-लर्निंग समाधान, हरित ऊर्जा, और स्वास्थ्य तकनीक जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अपनी परियोजनाएं प्रस्तुत कीं। प्रत्येक टीम को एक जटिल समस्या का समाधान प्रस्तुत करने के लिए केवल 12 घंटे का समय दिया गया था। हैकथॉन 3.0 के उद्घाटन पर एआईएमएल विभाग की विभागाध्यक्ष (डॉ. राखी भारद्वाज), सीएसई विभाग के विभागाध्यक्ष (डॉ. दीपक पैनुली),शोभित प्रजापति, शरद कुमार सिंह, सुश्री संध्या सामंत, विनीत चौहान, मोहित कुमार, आदित्य राठी, सुप्रिया शुक्ला, सुश्री प्रियंका सुयाल, कमल कुमार गोला,स्वाति यादव, स्वाति आर्य, सुश्री निशा कुंडा,विक्रांत राणा, स्वकृति नायक उपस्थित रहे।

कोर विश्वविद्यालय में 12 घंटे के हैकथॉन 3.0 का आयोजन

रुड़की, 9 फरवरी (अनिल) : कोर विश्वविद्यालय में शनिवार को 12 घंटे का हैकथॉन 3.0 आयोजित किया गया। उद्घाटन के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अंकुश मित्तल मौजूद रहे।

प्रतिस्पर्धा मे 80 टीमों ने भाग लिया था। जिसमें छात्रों ने अपनी तकनीकी कुशलता और समस्या समाधान क्षमता का प्रदर्शन करते हुए विभिन्न परियोजनाओं पर काम किया। हैकथॉन का उद्देश्य छात्रों को सीमित समय मे प्रभावी समाधान विकसित करने के लिए प्रेरित करना था।

छात्रों ने साइबर सुरक्षा, ई-लर्निंग समाधान, हरित ऊर्जा और स्वास्थ्य तकनीक जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अपनी परियोजनाएं प्रस्तुत कीं। प्रत्येक टीम को एक जटिल समस्या का समाधान प्रस्तुत करने के लिए 12 घंटे का समय दिया गया था। हैकथॉन 3.0 के उद्घाटन पर एआईएमएल विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. राखी भारद्वाज, सीएसई विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दीपक पैनुली, शोभित प्रजापति, शरद कुमार सिंह, संध्या सामंत, विनीत चौहान, मोहित कुमार, आदित्य राठी, सुप्रिया शुक्ला, प्रियंका सुयाल, कमल कुमार गोला, स्वाति यादव, स्वाति आर्य, निशा कुंडा, विक्रांत राणा और स्वकृति नायक आदि मौजूद रहे।

हैकथॉन 3.0 में भाग लेते छात्र-छात्राएं।

Times of India

Date: Jan.9.2025

COER UNIVERSITY

ROORKEE, UTTARAKHAND

26

ADMISSIONS OPEN

2024-25 Even Sem

Courses Offered

- Business Management
- Public Health
- Health Care Management
- Humanities
- Mathematics
- Pharmacy
- Physics
- Chemistry
- English
- Civil Engineering
- Mechanical Engineering
- Electrical Engineering
- Legal Studies
- Media Studies
- Energy Engineering
- Computer Science Applications
- Computer Science Engineering
- Yoga Sciences

Ph.D.

Admissions

Full/Part-Time

Last Date for Application Submission

January 20, 2025

Date of Entrance Test & Interview

January 25, 2025

Financial assistance will be offered to full-time scholars based upon the merit list of entrance test and interview

Submit your application @ phd@coeruniversity.ac.in

www.coeruniversity.ac.in

+91 74090 90958

+91 95208 72722

दैनिक जागरण

दिनांक 9 जनवरी 2025

COER UNIVERSITY
ROORKEE, UTTARAKHAND

ADMISSIONS OPEN

2024-25 Even Sem

Ph.D. Admissions Full/Part-Time

Courses Offered

- Business Management
- Public Health
- Health Care Management
- Humanities
- Mathematics
- Pharmacy
- Physics
- Chemistry
- English
- Civil Engineering
- Mechanical Engineering
- Electrical Engineering
- Legal Studies
- Media Studies
- Energy Engineering
- Computer Science Applications
- Computer Science Engineering
- Yoga Sciences

Last Date for Application Submission
January 20, 2025

Date of Entrance Test & Interview
January 25, 2025

Financial assistance will be offered to full-time scholars based upon the merit list of entrance test and interview

Submit your application @ phd@coeruniversity.ac.in

www.coeruniversity.ac.in

+91 74090 80858
+91 85208 72722

रुड़की ग्रामीण तहकीकात दिनांक 4.12.24

कौर विश्वविद्यालय रुड़की ने मनाया 27 वां स्थापना दिवस

रुड़की (ग्रामीण तहकीकात)। तीन दिसंबर को कौर विश्वविद्यालय रुड़की ने अपना 27 वे स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया, कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रवीण कुमार प्रबंधक निदेशक डेडीकेट फ्राइट कॉरिडोर कारपोरेशन ऑफ़ इंडिया लिमिटेड और वशिष्ठ अतिथि के रूप में डॉ. एन पी पाधी निर्देशक एमएनआईटी जयपुर उपस्थित रहे। समारोह का शुभारंभ जै.सी. जैन अध्यक्ष कौर विश्वविद्यालय के स्वागत भाषण के साथ हुआ इसके बाद डॉ. अंकुश मित्तल कुलपति कौर विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालय की वार्षिक प्रकृति रिपोर्ट प्रस्तुत की इस अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा किए गए शोध कार्यों पर आधारित सूचना पत्रिकाओं का विमोचन किया गया। जै.सी. जैन अध्यक्ष कौर विश्वविद्यालय और डॉ. मनीष कुमार रजिस्टर और निर्देशक चिकित्सा और कॉलेज विश्वविद्यालय में मुख्य अतिथि और वशिष्ठ तिथि को समृद्धि चिन्ह भेंट किया हुए आपको बता दे विश्वविद्यालय के शैक्षिक, गैर शैक्षिक, विद्यार्थियों और पूर्व छात्रों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियों को स्मृति चिन्हित कर कार्यक्रम के अंत में श्रेयांश जैन उपाध्यक्ष कौर विश्वविद्यालय ने आभार व्यक्त किया, वही बीटेक द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों को अच्छे अंक लाने पर गोल्ड मेडल से सम्मानित भी किया गया ।

मिशन नेशनल न्यूज दिनांक 4.12.24

कोर विश्वविद्यालय ने मनाया अपना 26 वां स्थापना दिवस-शोधार्थियों और पूर्व छात्रों का किया गया सम्मान

मिशन नेशनल न्यूज /नौशाद अली

रुड़की। कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग रुड़की विश्वविद्यालय में 26 वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में विभिन्न प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। अतिथियों ने कहा कि पिछले 26 सालों में इस संस्थान ने देश को बहुत प्रतिभाएं दी जिनका देश के विकास महत्वपूर्ण योगदान रहा।

हरिद्वार रोड स्थित संस्थान परिसर के हॉल में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रबंध निदेशक, डेडिकेटेड फ्रइट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड प्रवीण कुमार, विशिष्ट अतिथि एमएनआईटी जयपुर के निदेशक डॉ एनपी पाधी और संस्थान के अध्यक्ष जेसी जैन ने किया। उन्होंने कहा कि कोर विश्वविद्यालय ने पिछले 26 वर्षों में कई कीर्तिमान स्थापित किए हैं यहां से शिक्षा ग्रहण करने के बाद कई छात्र छात्राओं ने दुनिया में देश का नाम रोशन किया और देश के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संस्थान अध्यक्ष जेसी जैन ने कहा कोर विश्वविद्यालय इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। 1998 में स्थापित, यह विश्वविद्यालय शैक्षणिक उत्कृष्टता, नवाचार और उद्योग सहयोग के क्षेत्र में अग्रणी रहा है। विश्वविद्यालय कुलपति डॉ. अंकुश मित्तल ने विश्वविद्यालय की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा किए गए शोध कार्यों पर आधारित विभिन्न सूचना पत्रकों का विमोचन किया गया। संस्थान अध्यक्ष जेसीजैन कोर और निदेशक रजिस्ट्रार डॉ. मनीष कुमार ने मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान किया। इसके अलावा, विश्वविद्यालय के शैक्षणिक, गैर शैक्षणिक, शोधार्थियों एवं पूर्व छात्रों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि को भी स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। कार्यक्रम के अंत में उपाध्यक्ष श्रेयांश जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया।

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो — दिनांक 4.12.24

कौर विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर मिला सम्मान

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

रूड़की। कौर विश्वविद्यालय रुड़की के 27वें स्थापना दिवस समारोह का मुख्य अतिथि डेडीकेट फ्राइट कॉरिडोर कारपोरेशन ऑफ़ इंडिया लिमिटेड के प्रबंधक निदेशक प्रवीण कुमार और वशिष्ठ अतिथि एमएनआईटी जयपुर के निर्देशक डॉ. एनपी पाधी ने शुभारंभ किया।

इस मौके पर कुलपति डॉ. अंकुश मित्तल ने विश्वविद्यालय की वार्षिक प्रकृति रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा किए गए शोध कार्यों पर आधारित सूचना पत्रिकाओं का विमोचन किया गया। कौर विश्वविद्यालय के अध्यक्ष जै.सी. जैन और रजिस्टर डॉ. मनीष कुमार, निर्देशक चिकित्सा और कॉलेज विश्वविद्यालय में मुख्य अतिथि और वशिष्ठ तिथि को समृद्धि चिन्ह भेंट किया। साथ ही विश्वविद्यालय के शैक्षिक, गैर शैक्षिक, विद्यार्थियों और पूर्व छात्रों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

हरिद्वार न्यूज दिनांक 4.12.24

रुड़की के कौर विश्वविद्यालय में मनाया 27 वा स्थापना दिवस

हरिद्वार कौर विश्वविद्यालय रुड़की ने अपना 27 वे स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया, कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रवीण कुमार प्रबंधक निदेशक डेडीकेट फ्राइट कॉरिडोर कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड और वशिष्ठ अतिथि के रूप में डॉ. एन पी पाधी निर्देशक एमएनआईटी जयपुर उपस्थित रहे , समारोह का शुभारंभ जै.सी. जैन अध्यक्ष कौर विश्वविद्यालय के स्वागत भाषण के साथ हुआ इसके बाद डॉ. अंकुश मित्तल कुलपति कौर विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालय की वार्षिक प्रकृति रिपोर्ट प्रस्तुत की इस अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा किए गए शोध कार्यों पर आधारित सूचना पत्रिकाओं का विमोचन किया गया जै.सी. जैन अध्यक्ष कौर विश्वविद्यालय और डॉ. मनीष कुमार रजिस्टर और निर्देशक चिकित्सा और कॉलेज विश्वविद्यालय में मुख्य अतिथि और वशिष्ठ तिथि को समृद्धि चिन्ह भेंट किया हुए आपको बता दे विश्वविद्यालय के शैक्षिक, गैर शैक्षिक, विद्यार्थियों और पूर्व छात्रों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियों को स्मृति चिन्हित कर कार्यक्रम के अंत में श्रेयांश जैन उपाध्यक्ष विश्वविद्यालय ने आभार व्यक्त किया, वही इ.व्ळीं द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों को अच्छे अंक लाने पर गोल्ड मेडल से सम्मानित भी किया गया।

हिन्दुस्तान 27,10,2024

कोर विवि में दीप संध्या का आयोजन

रुड़की। कोर विश्वविद्यालय के वर्धमान सभागार में दीपावली पर रंगारंग दीपसंध्या-2024 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस विद्यार्थी-केंद्रित कार्यक्रम में विविध प्रस्तुतियों का आयोजन हुआ। इस आयोजन में कोर विवि के सभी विभागों के छात्रों ने हिस्सा लिया। विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से हुई। उद्घाटन जेसी जैन अध्यक्ष, कोर विवि ने किया। उन्होंने छात्रों को अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने की प्रेरणा दी। सुनीता जैन, श्रेयांश जैन उपाध्यक्ष और चारू जैन कार्यकारी निदेशक भी मौजूद रहे। कुलपति डॉ. अंकुश मित्तल ने युवाओं को दीपोत्सव की शुभकामनाएं दीं। कुलसचिव डॉ. मनीष कुमार आदि मौके पर मौजूद रहे। गा.सि.रि.

बद्री विशाल 27,10,2024

कोर विश्वविद्यालय में दीपोत्सव के अवसर पर रंगारंग दीपसंध्या 2024 कार्यक्रम का आयोजन

रुड़की बद्री विशाल। आज कोर विश्वविद्यालय के वर्द्धमान सभागार में दीपावली अवसर पर रंगारंग 'दीपसंध्या-2024' कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस विद्यार्थी-केंद्रित कार्यक्रम में विविध प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रतिभागियों ने दीपोत्सव का एक अनूठा वातावरण निर्मित किया। इस आयोजन में कोर विश्वविद्यालय के सभी विभागों के छात्रों ने भाग लिया। विद्यार्थियों, उनके शिक्षकों और अभिभावकों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की महत्ता को बढ़ाया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती वंदना से हुई। 'दीपसंध्या-2024' का भव्य उद्घाटन जे.सी. जैन अध्यक्ष, कोर विश्वविद्यालय द्वारा किया गया।

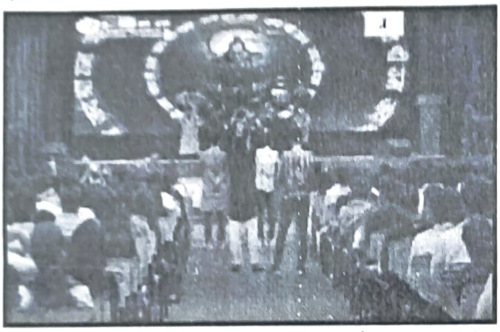

जैन ने अपने संबोधन में छात्रों को अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने की प्रेरणा दी। श्रीमती सुनीता जैन, श्रेयांश जैन उपाध्यक्ष, कोर विश्वविद्यालय, श्रीमती चारु जैन कार्यकारी निदेशक, कोर विश्वविद्यालय की उपस्थिति भी विशेष रही। डॉ. अंकुश मित्तल कुलपति, कोर विश्वविद्यालय ने युवाओं को दीपोत्सव की शुभकामनाएं दी। डॉ. मनीष कुमार कुलसचिव, कोर विश्वविद्यालय के मार्गदर्शन में कार्यक्रम का सुचारु आयोजन किया गया। डॉ. कुमार ने अपने संबोधन में दीपोत्सव के महत्व और 'दीपसंध्या' कार्यक्रम की विशेषताओं को साझा किया। विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने कार्यक्रम को और भी यादगार बना दिया।

हिन्दुस्तान 27,10,2024

epaper
हिन्दुस्तान

Font Size D'load Image Image View

दीप संध्या कार्यक्रम में छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

रुड़की, संवाददाता। कोर विवि के वर्धमान सभागार में दीपावली के अवसर पर रंगारंग दीप संध्या कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विवि के अध्यक्ष जेसी जैन ने किया। उन्होंने छात्रों को अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने की प्रेरणा दी। इस मौके पर दीपावली पर्व को सौहार्द्र से मनाने के लिए प्रेरित किया गया। इसके साथ ही छात्र-छात्राओं को दीपावली पर्व को लेकर जानकारी दी गई। उपाध्यक्ष सुनीता जैन, श्रेयांश जैन और कार्यकारी निदेशक चारू जैन ने सभी को दीपावली की शुभकामनाएं दी। इस दौरान कुलपति डॉ. अंकुश मित्तल, कुलसचिव डॉ. मनीष कुमार आदि मौजूद रहे।

दैनिक न्यूज़ उत्तराखंड

Sunday 27th October 2024

website:
www.dainiknewsuttarakhand.com

कोर विश्वविद्यालय में दीपोत्सव के अवसर पर रंगारंग दीपसंध्या 2024 कार्यक्रम का आयोजन हुआ

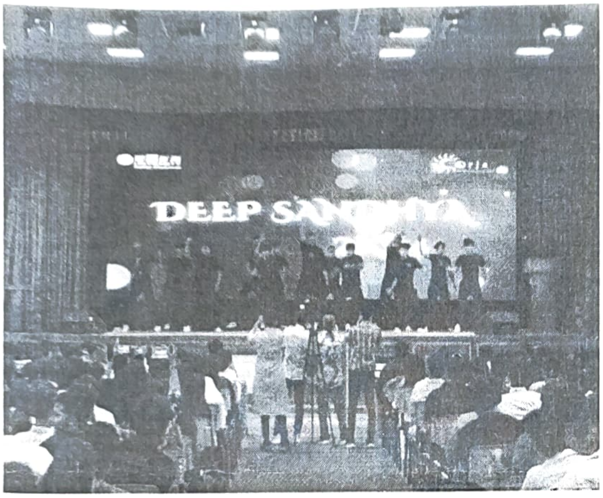

(सववाददाता ब्रह्मानंद चौधरी रुड़की) रुड़की। कोर विश्वविद्यालय के वर्धमान सभागार में दीपावली के अवसर पर रंगारंग 'दीपसंध्या-2024' कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस विद्यार्थी-केंद्रित कार्यक्रम में विविध प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रतिभागियों ने दीपोत्सव का एक अनूठा वातावरण निर्मित किया। इस आयोजन में कोर विश्वविद्यालय के सभी विभागों के छात्रों ने भाग लिया। विद्यार्थियों, उनके शिक्षकों, और अभिभावकों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की महत्ता को बढ़ाया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती वंदना से हुई। 'दीपसंध्या-2024' का भव्य उद्घाटन श्री जे. सी. जैन (अध्यक्ष, कोर विश्वविद्यालय) द्वारा किया गया। जैन ने अपने संबोधन में छात्रों को अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने की प्रेरणा दी। सुनीता जैन, श्रेयांश जैन (उपाध्यक्ष, कोर विश्वविद्यालय), और चारु जैन (कार्यकारी निदेशक, कोर विश्वविद्यालय) की उपस्थिति भी विशेष रही।

डॉ. अंकुश मित्तल (कुलपति, कोर विश्वविद्यालय) ने युवाओं को दीपोत्सव की शुभकामनाएं दी। डॉ. मनीष कुमार (कुलसचिव, कोर विश्वविद्यालय) के मार्गदर्शन में कार्यक्रम का सुचारु आयोजन किया गया। डॉ. कुमार ने अपने संबोधन में दीपोत्सव के महत्व और 'दीपसंध्या' कार्यक्रम की विशेषताओं को साझा किया। विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने कार्यक्रम को और भी यादगार बना दिया। वहीं पर उपस्थिति कार्यक्रम का संचालन संदीप चौधरी ने किया।

बद्री विशाल दिनाक 20.10.2024

कोर विश्वविद्यालय में हुआ युवाओं के बेहत्तर कैरियर मार्गदर्शन हेतु पथ प्रदर्शन का आयोजन

रुड़की बद्री विशाल। आज कोर विश्वविद्यालय के वर्द्धमान सभागार में युवाओं के बेहत्तर कैरियर मार्गदर्शन हेतु पथ प्रदर्शन कार्यक्रम की प्रथम श्रृंखला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में

उत्तराखंड के 25 से ज्यादा विद्यालयों ने सहभागिता की। विभिन्न विद्यालयों से लगभग 1,000 विद्यार्थियों सहित उनके शिक्षक एवं अभिभावकगणों की उपस्थिति महत्वपूर्ण रही। प्रतिभागी विद्यालयों में ज्योतिबा फुले, रेड रोस, आदर्श इंटर कॉलेज, यूनिक इंटर स्कूल, किसान मजदूर इंटर कॉलेज, आर्मी पब्लिक स्कूल रायवाला, राजकीय पॉलिटेक्निक, गोल्डन पब्लिक स्कूल, जय हिंद संस्थान की सहभागिता महत्वपूर्ण रही। इससे पहले कार्यक्रम की शुरुआत द्वीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. अंकुश मित्तल कुलपति कोर विश्वविद्यालय ने युवाओं को संकल्पवान एवं कर्मठ बनने के लिए प्रेरित किया। डॉ. मनीष कुमार कुलसचिव ने विभिन्न पाठ्यक्रमों की रूपरेखा को वर्णित करते हुए छात्रों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम का संपूर्ण समन्वय नवनीत विवेक (ब्रैंडिंग एवं मार्केटिंग ऑफिसर) के द्वारा हुआ। इसमें बोबिंद्र चौधरी एवं सुश्री प्राची सहित अन्य कार्यकर्ताओं की सहभागिता उल्लेखनीय है।

दिनॉक 26.9.2024 दैनिक जागरण पृष्ठ सं 2

कोर विश्वविद्यालय में गोष्ठी का आयोजन

हरिद्वार: राष्ट्रीय फार्मेसी दिवस पर कोर विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग में गोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि अध्यक्ष जेसी जैन, कुलपति डा. अंकुश मित्तल, रजिस्ट्रार डा. मनीष कुमार आदि ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। रंगोली, पोस्टर, माडल आदि प्रतियोगिता में भी विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। उत्कृष्ट विद्यार्थियों को ट्राफी और मेडल से सम्मानित किया गया। अन्य विद्यार्थियों को प्रमाणपत दिया गया। कुलपति डा. अंकुश मित्तल ने फार्मेसी के सर्वांगीण विकास और अनेक लाभदायक विषयों के बारे में चर्चा की। कालेज आफ फार्मेसी की प्रधानाचार्य डा ममता फरसवान ने बताया की फार्मेसी आने वाले समय में बहुत उपलब्धियां लेकर आएगा।

Date: 22.9.24 Newspaper: Navodaya Times News Online

6 NAVODAYA TIMES नवोदय टाइम्स हरिद्वार/रुड़की

राष्ट्र निर्माण में कोर की भूमिका महत्वपूर्ण

अतिरिक्त सफलता के लिए अतिरिक्त मेहनत जरूरी : राज्यपाल

- कोर कॉलेज में दीक्षांत समारोह का आयोजन
- 615 छात्र-छात्राओं को दी गई उपाधि

रुड़की, 21 सितम्बर (अनिल) : कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उत्तराखंड के राज्यपाल रहे। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण में कोर विश्वविद्यालय की अहम भूमिका है। समारोह में 615 छात्र-छात्राओं को उपाधि प्रदान की गई।

कोर विश्वविद्यालय स्थित सभागार में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल जनरल गुरमीत सिंह ने कहा कि कोर विश्वविद्यालय राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यहां के छात्र-छात्राएं नए सोच विचार और धारणा के साथ कार्य कर रहे हैं। कहा कि आज ज्यादा खुशी तब हुई जब लड़कों से ज्यादा लड़कियों ने अवार्ड जीते। उन्होंने कहा कि बच्चों की इस उपलब्धि पर कॉलेज प्रबंध समिति, शिक्षक, अभिभावक और उनके दोस्त काफी खुश हैं। उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राओं को माता पिता का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने डिग्री धारकों से कहा कि आज राष्ट्र को उनका इंतजार है। वह देश को आगे बढ़ाने का कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि आज से आपकी सोच और धारणा बदल जाएगी। कहा कि जिस प्रकार से राष्ट्र में तकनीकी दस्तक दे रही है वह छात्रों के लिए अच्छा अवसर है। डिग्री धारकों को इसका लाभ लेना होगा और इस गति में अपनी भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा कि आज आपकी नौकरी तलाशनी नहीं है बल्कि जॉब बनानी है। कहा कि समझना होगा कि राष्ट्र निर्माण में आपकी भूमिका क्या है।

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड ने नए उद्योगों के लिए अच्छा वातावरण है। जीवन में अतिरिक्त सफलता के लिए अतिरिक्त मेहनत जरूरी है। विशिष्ट अतिथि मनीष जैन ने कहा कि हमेशा नया सीखने के लिए तैयार रहना चाहिए। कॉलेज चेयरमैन जेसी जैन ने सभी छात्र छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर अंकुर मित्तल ने भी छात्र छात्राओं को संबोधित किया।

मुख्य अतिथि को सम्मानित करते कोर का प्रबंध तंत्र।

Date: 22.9.24 Newspaper: Uttrakhand Pahadi News Online

उत्तराखण्ड प्रहरी
uttarakhandprahari19@gmail.com
हरिद्वार

उपाधि के साथ मेधावियों को मेडल प्रदान कर शिक्षा की अलख जगाने को राज्यपाल ने किया प्रेरित

बोले रोजगार तलाशने के बजाय रोजगार देने वाले बनो, तभी देश होगा समृद्ध और विकसित

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

रुड़की। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने कोर विश्वविद्यालय, रुड़की के प्रथम दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग करते हुए उत्तीर्ण हुए छात्र-छात्राओं को मेडल और उपाधि प्रदान की। इस अवसर पर उन्होंने कोर विश्वविद्यालय में आयोजित ज्ञान समागम की स्मारिका का अनावरण किया।

दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा आप सभी अपने जीवन के एक नए चरण में प्रवेश करने जा रहे हैं, आपके समक्ष नई-नई चुनौतियां और अवसर होंगे। आप सभी अपनी मेहनत और कार्यकुशलता के चुनौतियों को अवसरों में बदलें। आज तेज गति से बदल रही दुनिया को देखते हुए हमें भी लीक से हटकर सोचना होगा। उन्होंने कहा कि आप रोजगार हेतु कतार में लगने की बजाय स्वयं रोजगार देने वाले बनें। उन्होंने विश्वास जताया कि इस संस्थान में प्राप्त ज्ञान और कौशल के बल पर विद्यार्थी उन चुनौतियों का सामना करने और उभरते अवसरों का लाभ उठाने में सक्षम होंगे। राज्यपाल ने कहा कि आज सचमुच आप सभी को देखकर लग रहा कि हमारी युवा शक्ति, हमारे स्वप्न हमको विकसित भारत की ओर लेकर जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह खुशी की बात है कि मेडल एवं उपाधि प्राप्त करने वालों में हमारी बेटियों की संख्या अधिक है। राज्यपाल ने उपाधि प्राप्त करने वाले छात्रों से कहा कि आप उपाधि प्राप्त कर राष्ट्र, समाज और जनहित में कार्य करेंगे। उन्होंने उपाधि प्राप्त छात्रों से कहा कि यहां से निकलने के उपरांत आपको सोच, विचार और धारणा से कार्य करना होगा, आपकी जिम्मेदारियां और भी बढ़ने वाली है। राज्यपाल ने कहा कि जिस प्रकार टेक्नोलॉजी दस्तक दे रही है। जिस प्रकार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मेटावर्स, क्वांटम कंप्यूटिंग, स्पेस, साइबर, नेरोटिक्स टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में आपको बेहत्तर अवसर मिलने वाले हैं। उन्होंने कहा कि आज के युग में संवाद (कम्युनिकेशन) बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी का तीसरा दशक भारत का है जिसमें हमारे युवाओं की महत्त्वपूर्ण भूमिका होगी। राज्यपाल ने कहा कि नया भारत आज तेज गति से विकास यात्रा पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की 5वीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और अब हम दुनिया की 3वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने पर अग्रसर हैं जिसमें युवाओं की बड़ी भागीदारी होगी। इस अवसर पर राज्यपाल द्वारा विश्वविद्यालय की प्रथम सेठ रोशन लाल जैन ट्रॉफी, सत्र 2021-24 मुस्कान पाण्डेय, दूसरी सेठ रोशन लाल जैन ट्रॉफी, सत्र 2021-23 इशिका शर्मा एवं तीसरी सेठ रोशन लाल जैन ट्रॉफी, सत्र 2022-24 अभिषेक जैन को प्रदान की गई। दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. मनीष कुमार द्वारा की गई। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. (डॉ.) अंकुश मित्तल ने विश्वविद्यालय की विगत वर्ष की वार्षिक रिपोर्ट का प्रस्तुतीकरण दिया और विश्वविद्यालय की उपलब्धियों से अवगत कराया। इस अवसर पर जिलाधिकारी कर्मेंद्र सिंह, एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल, विश्वविख्यात प्रकाशन हाऊस बीपीबी पब्लिकेशन के प्रबंध निदेशक मनीष जैन, अध्यक्ष जेसी जैन, उपाध्यक्ष श्रेयांस जैन, विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

Date: 22.9.24 Newspaper: Amar Ujala (My city) News Page No. 2

my city अमर उजाला 02
amarujala.com/roorkee

'जितनी मेहनत, भविष्य उतना ही उज्ज्वल'

कोर विवि के पहले दीक्षांत समारोह में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त) ने छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

माई सिटी रिपोर्टर

रुड़की-हरिद्वार रोड स्थित कोर विवि में आयोजित दीक्षांत समारोह में छात्र को पुरस्कार देते राज्यपाल ले. जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) और समारोह में मौजूद छात्र-छात्राएं व अन्य। -संवाद

रुड़की। कोर विश्वविद्यालय के पहले दीक्षांत समारोह का आयोजन शनिवार को किया गया। मौके पर पहुंचे राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह ने कहा कि स्कूल और कॉलेज के दिनों में जितनी मेहनत करेंगे भविष्य उतना ही उज्ज्वल होगा। यही मेहनत हमें भविष्य में सफल बनाती है। साथ ही कॉलेज के दौरान बनाया गया दोस्त हमेशा साथ देता है।

कोर विश्वविद्यालय का प्रथम दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर राज्यपाल गुरमीत सिंह ने छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। इसके अलावा कार्यक्रम में गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में मनीष जैन प्रबंध निदेशक थोपोंवो प्रकाशन, जेसी जैन प्रेसिडेंट, कोर विश्वविद्यालय ने सहभागिता की।

कहा-कॉलेज में बनाए गए दोस्त हमेशा रहते हैं साथ, क्योंकि आप हर बात करते हैं साझा

विभिन्न संकाय के विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गई। विभिन्न श्रेणियों में स्वर्ण और रजत पदक विद्यार्थियों को सौंपे गए। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलित कर और विवि के कुलगीत के साथ की गई। इस मौके पर स्नातकोत्तर टॉपर में इशिका शर्मा और अभिषेक जैन को एमबीए में गोल्ड मेडल मिला। स्नातक कोर्स में मुस्कान पांडेय को बीसीए में गोल्ड मेडल मिला।

इसके अलावा अलग-अलग वित्तीय वर्ष के कोर्स एमबीए में इशिका शर्मा को गोल्ड मेडल और सानिया को सिल्वर मेडल मिला। वहीं, एमसीए में अभिषेक को गोल्ड मेडल और प्रभजोत कौर को सिल्वर मेडल मिला।

एमबीए में अभिषेक जैन को गोल्ड और केएम अफसारी को सिल्वर मेडल मिला। एमसीए में अमन गुप्ता को गोल्ड और राधिका को सिल्वर मेडल मिला। एमटेक में अर्जुन राय दत्ता को गोल्ड और संजय कर्नाटक को सिल्वर मेडल मिला।

बीबीए में डिंपल अरोड़ा को गोल्ड और प्रेरणा और सिमरन चंद को सिल्वर मेडल मिला। बीसीए में मुस्कान पांडेय को गोल्ड और संयम टुटेजा को सिल्वर मेडल मिला। बीकॉम में नारायण शर्मा को गोल्ड और नंदिनी प्रधान को सिल्वर मेडल मिला। राज्यपाल ने सभी को बधाई दी। डिग्री पाकर छात्र-छात्राओं के चेहरों पर मुस्कान खिल उठी। इस अवसर पर श्रेयांस जैन वाइस प्रेसिडेंट और चारू जैन, डीएम हरिद्वार डीएम कर्मेंद्र सिंह, एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल, एसपी देहात एसके सिंह आदि मौजूद रहे।

Date: 22.9.24 | Newspaper: Hindustan | News Page No. 6

कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में प्रथम दीक्षांत समारोह का आयोजन, राज्यपाल गुरमीत सिंह ने छात्र-छात्राओं को डिग्रियां बांटीं

देश को आगे बढ़ाने में अपनी भूमिका निभाएं युवा

राज्यपाल बोले

रुड़की, संवाददाता। कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग (कोर विश्व विद्यालय) में प्रथम दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह सैनि. ने समारोह में करीब छह सौ छात्र-छात्राओं को डिग्रियां बांटीं। उन्होंने कहा कि वह इस समय काफी उत्साहित हैं और गौरान्वित महसूस कर रहे हैं क्योंकि डिग्रियां लेने वालों में छात्राओं की संख्या ज्यादा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण में कोर विश्वविद्यालय की अहम भूमिका है। उन्होंने युवा डिग्री धारकों को कहा कि आज राष्ट्र को उनसे उम्मीद है वह देश को आगे बढ़ाने का कार्य करेंगे।

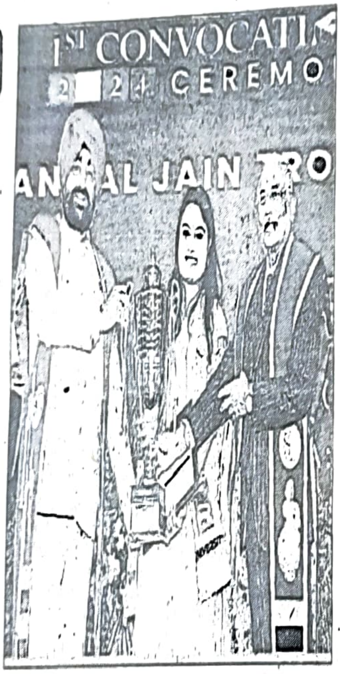

रुड़की कोर विश्वविद्यालय में शनिवार को आयोजित दीक्षांत समारोह में गोल्ड मेडलिस्ट छात्रा को सम्मानित करते राज्यपाल गुरमीत सिंह। • हिन्दुस्तान

रुड़की कोर विश्वविद्यालय में शनिवार को आयोजित दीक्षांत समारोह में उपस्थित लोग और छात्र-छात्राएं। • हिन्दुस्तान

कोर विश्वविद्यालय स्थित सभागार में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि कोर विश्वविद्यालय राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यहां से छात्र-छात्राएं नए सोच विचार और धारणा के साथ कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज ज्यादा खुशी तब हुई जब लड़कों से ज्यादा लड़कियों ने अवार्ड जीते। उन्होंने कहा कि बच्चों की इस उपलब्धि पर कॉलेज प्रबंध समिति, शिक्षक, अभिभावक और उनके दोस्त काफी खुश हैं। उन्होंने कहा, कि छात्र-छात्राओं को माता पिता का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज से आपकी सोच और धारणा बदल जाएगी। जिस प्रकार से राष्ट्र में तकनीकी दस्तक दे रही है वह छात्रों के लिए अच्छा अवसर है। हम फाइव जी, सिक्स जी की ओर अग्रसर हैं। डिग्री धारकों को इसका लाभ लेना होगा और इसमें अपनी भूमिका निभानी होगी।

06 सौ के करीब डिग्रियां बांटी गईं

उन्होंने कहा कि आज आपकी नौकरी तलाशनी नहीं है बल्कि जॉब बनानी है। समझना होगा कि राष्ट्र निर्माण में आपकी भूमिका क्या है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड ने नए उद्योगों के लिए अच्छा वातावरण है। जीवन में अतिरिक्त सफलता के लिए अतिरिक्त मेहनत जरूरी है। राज्यपाल ने कहा कि आज दुनिया में भारत का डंका बज रहा है। दुनिया में सबसे ज्यादा डिजिटल ट्रांजेक्शन भारत में ही हो रहा है। डाटा संरक्षण में सबसे आगे भारत देश है।

विशिष्ट अतिथि मनीष जैन ने कहा कि हमेशा नया सीखने के लिए तैयार रहना चाहिए। अधिक से अधिक किताबें पढ़ना चाहिए। क्योंकि अगर किताबें पढ़ेंगे तो दूसरे के विचारों को समझेंगे। कॉलेज चेयरमैन जेसी जैन ने सभी छात्र-छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आने वाला समय आज डिग्री लेने वाले लोगों का है। विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर अंकुर मित्तल ने भी छात्र-छात्राओं को संबोधित किया।

Date: 22.9.24 | Newspaper: Amar Ujala (My City) | News Page No. 4

छात्र जितनी मेहनत करेंगे भविष्य उतना ही उज्ज्वल होगा : राज्यपाल

कोर विवि के पहले दीक्षांत समारोह में राज्यपाल ने छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

माई सिटी रिपोर्टर

रुड़की। कोर विश्वविद्यालय के पहले दीक्षांत समारोह का आयोजन शनिवार को किया गया। मौके पर पहुंचे राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह ने कहा कि स्कूल और कॉलेज के दिनों में जितनी मेहनत करेंगे भविष्य उतना ही उज्ज्वल होगा।

यही मेहनत हमें भविष्य में सफल बनाती है। साथ ही कॉलेज के दौरान बनाया गया दोस्त हमेशा साथ देता है। कोर विश्वविद्यालय का प्रथम दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर राज्यपाल गुरमीत सिंह ने छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया।

इसके अलावा कार्यक्रम में गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में मनीष जैन प्रबंध निदेशक बीजीबी प्रकाशन, जेसी जैन प्रेसिडेंट, कोर विश्वविद्यालय ने सहभागिता की। विभिन्न संकाय के विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की

रुड़की हरिद्वार रोड स्थित कोर विवि में आयोजित दीक्षांत समारोह में छात्र को पुरस्कार देते राज्यपाल सेनि ले. जनरल गुरमीत सिंह। - संवाद

गई। विभिन्न श्रेणियों में स्वर्ण और रजत पदक विद्यार्थियों को सौंपे गए। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित कर और विवि के कुलगीत के साथ की गई। इस मौके पर स्नातकोत्तर टॉपर में इशिका शर्मा और अभिषेक जैन को एमबीए में गोल्ड मेडल मिला। स्नातक कोर्स में मुस्कान पांडेय को बीसीए में गोल्ड मेडल मिला।

इसके अलावा अलग-अलग वित्तीय वर्ष के कोर्स एमबीए में इशिका शर्मा को गोल्ड मेडल और साजिया कय्यूम को सिल्वर मेडल मिला। वहीं, एमसीए में अभिषेक चौहान को गोल्ड मेडल और प्रभजीत कौर को सिल्वर मेडल मिला। एमबीए में अभिषेक जैन को गोल्ड और कायम अफसारी को सिल्वर मेडल मिला।

एमसीए में अमन गुप्ता को गोल्ड और राधिका को सिल्वर मेडल मिला। एमटेक में अर्जुन राय दत्ता को गोल्ड और संजय कर्नाटक को सिल्वर मेडल मिला। बीटेक में डिंपल अरोड़ा को गोल्ड और प्रेरणा और सिमरन चंद को सिल्वर मेडल मिला। बीसीए में मुस्कान पांडेय को गोल्ड और संयम टुटेजा को सिल्वर मेडल मिला।

बीकॉम में नारायण शर्मा को गोल्ड और नंदिनी प्रधान को सिल्वर मेडल मिला। राज्यपाल ने सभी को बधाई दी। डिग्री पाकर छात्र-छात्राओं के चेहरों पर मुस्कान खिल उठी। इस अवसर पर श्रेयांस जैन वाईस प्रेजिडेंट और चारू जैन, डीएम हरिद्वार डीएम कर्मेंद्र सिंह, एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल, एसपी देहात एसके सिंह आदि मौजूद रहे।

Date: 22.9.24

Newspaper: Rashtiya Sahara

News Page No. 2

अपनी मेहनत से चुनौतियों को अवसर में बदलें युवा : राज्यपाल

देहरादून/रुड़की। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेनि) गुरमीत सिंह ने शनिवार को कोर विश्वविद्यालय, रुड़की के प्रथम दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग करते हुए उत्तीर्ण हुए छात्र-छात्राओं को मेडल और उपाधि प्रदान की। उन्होंने कोर विश्वविद्यायल में आयोजित भारत ज्ञान समागम की स्मारिका का अनावरण किया।

दीक्षांत समारोह में राज्यपाल ने कहा आप सभी अपने जीवन के एक नए चरण में प्रवेश करने जा रहे हैं, आपके समक्ष नई-नई चुनौतियां और अवसर होंगे। आप सभी मेहनत और कार्यकुशलता के चुनौतियों को अवसरों में बदलें। आज तेज गति से बदल रही दुनिया को देखते हुए हमें भी लीक से हटकर सोचना होगा। उन्होंने कहा कि आप रोजगार की कतार में लगने की बजाय स्वयं रोजगार देने वाले बनें। उन्होंने विश्वास जताया कि इस संस्थान में प्राप्त ज्ञान और कौशल के बल पर विद्यार्थी उन चुनौतियों का सामना करने और उभरते अवसरों का लाभ उठाने में सक्षम होंगे।

राज्यपाल ने कहा कि जिस प्रकार टेकेलजी दस्तक दे रही है। जिस प्रकार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मेटावर्स, क्वांटम कंप्यूटिंग, स्पेस, साइबर, नेरोटिक्स टेक्नोलाजी के क्षेत्र में आपको अवसर मिलने वाले हैं। उन्होंने कहा कि आज के युग में संवाद बहुत जरूरी है।

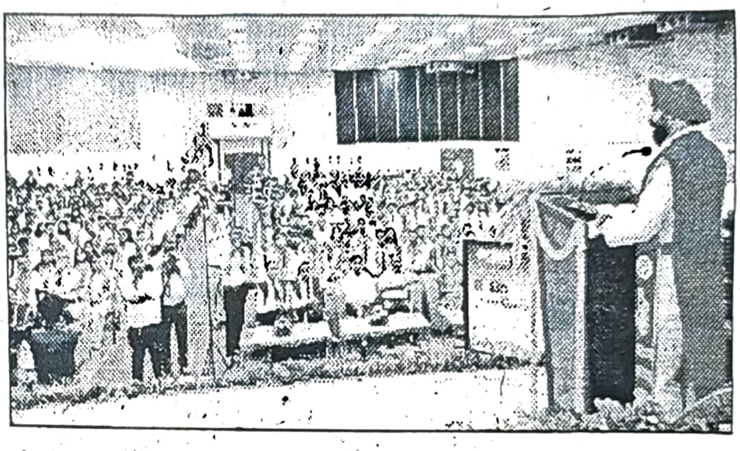

कोर विश्वविद्यालय रुड़की के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते राज्यपाल।

उन्होंने कहा कि 21वीं सदी का तीसरा दशक भारत का है जिसमें हमारे युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। राज्यपाल ने कहा कि

कोर विश्वविद्यालय, रुड़की का प्रथम दीक्षांत समारोह आयोजित

नया भारत आज तेज गति से विकास यात्रा पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की 5वीं बड़ी अर्थव्यस्था बन चुका है और अब हम दुनिया की 3वीं सबसे बड़ी अर्थव्यस्था बनने पर अग्रसर हैं जिसमें युवाओं की बडी भागीदारी होगी। इस अवसर पर राज्यपाल द्वारा विश्वविद्यालय की प्रथम सेठ रोशन लाल जैन ट्राफी, सत्र 2021-24 मुस्कान पाण्डेय, दूसरी सेठ रोशन लाल जैन ट्राफी, सत्र 2021-23 इशिका शर्मा एवं तीसरी सेठ रोशन लाल जैन ट्राफी, सत्र 2022-24 अभिषेक जैन को प्रदान की गई।

दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति डा. मनीष कुमार ने की। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. (डा.) अंकुश मित्तल ने विश्वविद्यालय की विगत वर्ष की वार्षिक रिपोर्ट का प्रस्तुतीकरण दिया और विश्वविद्यालय की उपलब्धियों से अवगत कराया। इस अवसर पर विश्वविख्यात प्रकाशन हाउस बीपीबी पब्लिकेशन के प्रबंध निदेशक मनीष जैन, अध्यक्ष जेसी जैन, उपाध्यक्ष श्रेयांस जैन, विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

Date: 9.4.24 Newspaper: Rashtiya Sahara News Page No. 4

सुरक्षित भविष्य के लिए मतदान करें युवा : त्रिवेंद्र

रुड़की : कोर विवि में युवाओं को संबोधित करते भाजपा प्रत्याशी त्रिवेंद्र सिंह रावत।

■ 'विकास की बात, युवाओं के साथ' कार्यक्रम आयोजित

रुड़की (एसएनबी)। कोर विवि में 'विकास की बात, युवाओं के साथ' कार्यक्रम में हरिद्वार सीट से भाजपा प्रत्याशी त्रिवेंद्र सिंह रावत का कोर विवि के अध्यक्ष यूसी जैन द्वारा पुष्प गुच्छ और स्मृति चिह्न देकर स्वागत किया गया।

इस अवसर पर भाजपा प्रत्याशी त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि आज का युवा बहुत समझदार है वह जानता है उसका भविष्य कहां सुरक्षित है। जो युवक लोकसभा चुनाव में पहली बार मतदान करेंगे वह अपने देश के विकास अपने भविष्य को सुरक्षित करने के लिए मतदान करें। त्रिवेंद्र सिंह रावत ने युवाओं के बीच जाकर सेल्फी ली। रुड़की जिला प्रभारी आदित्य चौहान ने कहा कि युवा भविष्य है। प्रदेश आईटी सेल संयोजक मयंक गुप्ता ने युवाओं को स्वरोजगार अपनाने की सलाह दी। कार्यक्रम का संचालन अदिति चौहान ने किया।

कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष शोभाराम प्रजापति, जिला मंत्री सतीश सैनी, जिला कोषाध्यक्ष नितिन गोयल, रोमा सैनी, पं. दिनेश कौशिक, मोहित राष्ट्रवादी, गौरव त्यागी, योगी रोड, मनी नारंग, नितिन त्यागी आदि उपस्थित रहे।

Date: 9.4.24 Newspaper: Hindustan News Page No.5

रोजगार दिलाने को काम करेंगे: त्रिवेंद्र

रुड़की, कार्यालय संवाददाता। कोर विश्वविद्यालय में 'विकास की बात, युवाओं के साथ' कार्यक्रम हुआ। भाजपा के हरिद्वार लोकसभा सीट प्रत्याशी त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि आज का युवा समझदार है। वह जानता है उसका भविष्य कहां सुरक्षित है, उसके देश का भविष्य कहां सुरक्षित है। युवाओं से देश के विकास के लिए भाजपा के पक्ष में मतदान की अपील की।

हरिद्वार रोड स्थित विवि में सोमवार को कार्यक्रम में भाजपा प्रत्याशी ने युवाओं के सवालों के जवाब दिए। एक छात्रा ने पूछा कि सांसद बनने के बाद वह सबसे पहला काम क्या करेंगे? जवाब में त्रिवेंद्र बोले, गंगा को स्वच्छ करते हुए किस प्रकार युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा हो सकते हैं इस पर कार्य करेंगे। एक छात्रा ने युवाओं में रोजगार के अवसर बढ़ाने पर सवाल किया। इसके जवाब में उन्होंने कहा कि वे चाहेंगे कि युवा स्वरोजगार को अपनाकर अन्य लोगों को भी रोजगार दें। इस मौके पर शिव खेड़ा, भाजपा प्रदेश आईटी सेल संयोजक मयंक गुप्ता ने युवाओं से भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की। इस दौरान रुड़की जिला प्रभारी आदित्य चौहान, पार्टी जिलाध्यक्ष शोभाराम प्रजापति, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष गौरव कौशिक थे।

रुड़की के कोर में आयोजित कार्यक्रम में युवाओं के साथ सेल्फी लेते भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी त्रिवेंद्र सिंह रावत। • हिन्दुस्तान

Date: 9.4.24 Newspaper: Hindustan

www.livehindustan.com

हिन्दुस्तान

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

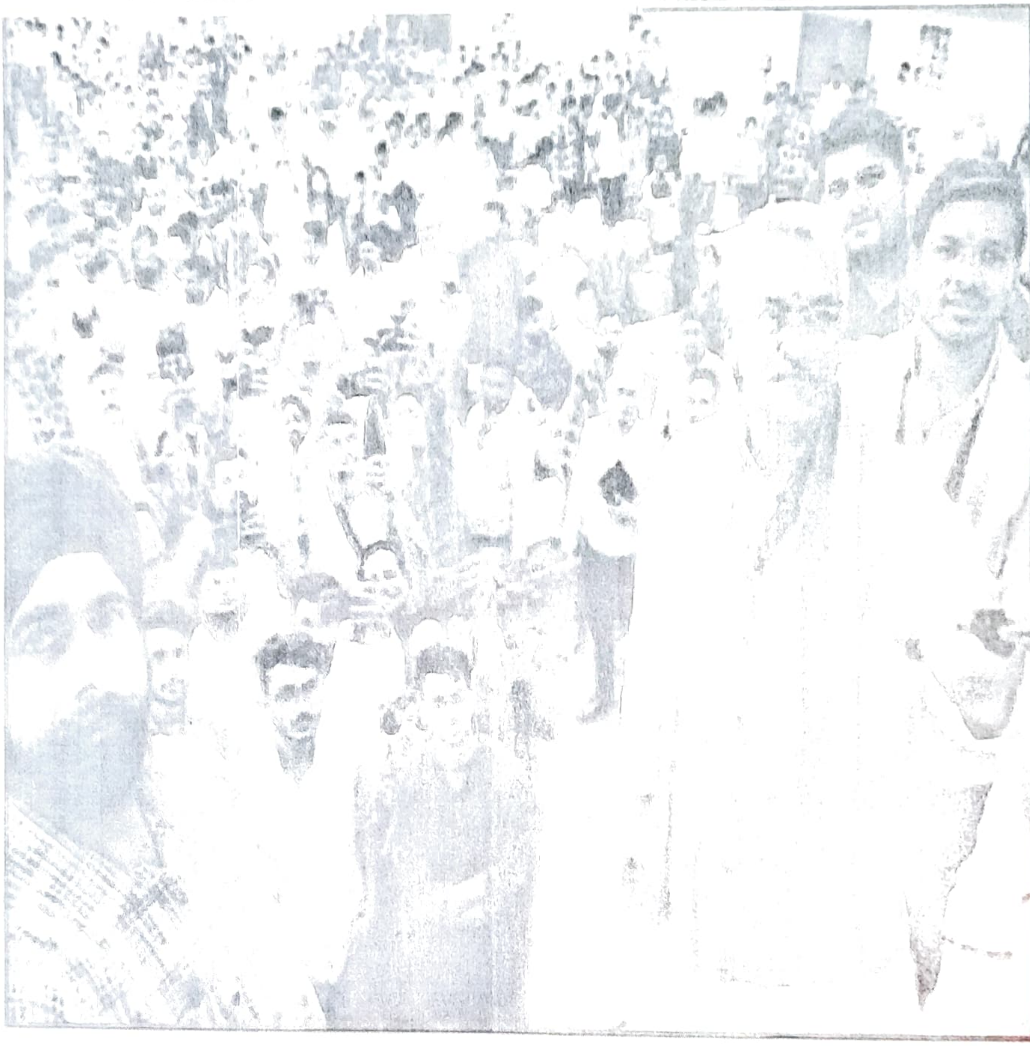

ड़की के कोर में सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में युवाओं के साथ
ेल्फी लेते भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी त्रिवेंद्र सिंह रावत।

Date: 9.4.24 Newspaper: Amar Ujala

अमर उजाला

विकसित भारत के नवनिर्माण में सहयोगी बनें युवा : त्रिवेंद्र

विकास की बात युवाओं के साथ कार्यक्रम में पहुंचे भाजपा प्रत्याशी

संवाद न्यूज एजेंसी

हरिद्वार। भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी त्रिवेंद्र सिंह रावत ने छात्र-छात्राओं से कहा कि आप सौभाग्यशाली हैं कि आपको विकसित भारत के नवनिर्माण में सहयोगी होने का अवसर मिल रहा है। चुनाव के इस महापर्व में शिक्षित लोगों की ज्यादा अहम जिम्मेदारी है।

शिव खेड़ा।

रावत कोर विवि में विकास की बात युवाओं के साथ कार्यक्रम में बोल रहे थे। उनके साथ प्रसिद्ध लेखक एवं प्रेरक वक्ता शिव खेड़ा भी मौजूद थे। रावत ने युवाओं के समक्ष भाजपा के विजन को रखा। त्रिवेंद्र ने कहा कि किसी भी काम के लिए राजनीतिक इच्छा शक्ति जरूरी है। इस दौरान उन्होंने आधुनिक [illegible] विकास में उत्कृष्टता केंद्र का उद्घाटन भी किया। रावत ने छात्रों के सवालों के जवाब देकर संवाद भी किया।

शिव खेड़ा ने त्रिवेंद्र सिंह रावत को हरिद्वार लोकसभा क्षेत्र से [illegible] लाख से अधिक वोट देने का आह्वान किया।

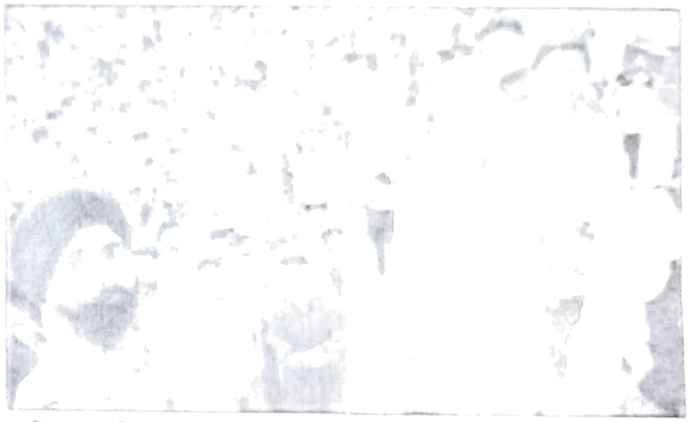

हरिद्वार रोड स्थित कोर विवि के सभागार में आयोजित समारोह में संबोधित करते हरिद्वार लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी त्रिवेंद्र सिंह रावत। संवाद

प्रदेश विकास की ओर अग्रसर : त्रिवेंद्र सिंह

रुड़की। [illegible]

उन्होंने कहा कि [illegible] सबक लेकर आगे [illegible] है।

Date: 9.4.24 Newspaper: Golden Times ,Roorkee

विकास की बात युवाओं के साथ कार्यक्रम में त्रिवेंद्र सिंह रावत ने युवाओं में भरा जोश

गोल्डन टाइम्स

रुड़की (आरिफ नियाजी) हरिद्वार रोड स्थित कोर विश्वविद्यालय में कॉलेज में विकास की बात युवाओं के साथ कार्यक्रम में पहुंचे भाजपा प्रत्याशी त्रिवेंद्र सिंह रावत ने जोश भर दिया।सर्वप्रथम कोर विश्वविद्यालय के अध्यक्ष यू सी जैन ने पुष्प गुच्छ और स्मृति चिन्ह देकर लोकसभा प्रत्याशी त्रिवेंद्र सिंह रावत का जोरदार स्वागत किया,तो वहीं त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि आज का युवा बहुत समझदार है वह जानता है उसका भविष्य कहां सुरक्षित है उसके देश का भविष्य कहां सुरक्षित है उन्होंने कहा कि आज बहुत सारे युवा जो की आने वाले लोकसभा चुनाव में पहली बार मतदान करेंगे उनसे अपील करता हूं कि अपने देश के बहुमुखी विकास के लिए भाजपा के पक्ष में मतदान कर अपने आने वाले भविष्य को सुरक्षित करें रोजगार के बेहतर अवसर को सुरक्षित करें. इस अवसर पर लोकसभा हरिद्वार प्रत्याशी त्रिवेंद्र सिंह रावत ने युवाओं के बीच जाकर सेल्फी ली युवा भी त्रिवेंद्र सिंह रावत को अपने बीच पाकर बहुत उत्साहित दिखे . इस अवसर पर एक छात्रा द्वारा यह प्रश्न पूछा गया कि सांसद बनने के बाद आप पहले काम क्या करेंगे तो जवाब देते हुए त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि सबसे पहले वह गंगा और अर्ध गंगा पर कार्य करेंगे अर्थात गंगा को स्वच्छ करते हुए किस प्रकार से अपने युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा हो सकते हैं इस पर कार्य करेंगे एक छात्रा ने प्रश्न पूछा कि युवाओं में रोजगार के अवसर बढ़ाने हेतु और क्या करेंगे इस पर उन्होंने कहा कि वे चाहेंगे कि हमारे युवा स्वरोजगार को अपनाकर अन्य लोगों को भी रोजगार दें. उन्होंने एक प्रश्न का जवाब देते हुए महिला सुरक्षा को और दुरुस्त बनाने के साथ-साथ उत्तराखंड पुलिस द्वारा गौरा शक्ति एप की सराहना भी की. इस अवसर पर कार्यक्रम में पहुंचे शिव

खेड़ा ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि आप लोगों ने नवीन भारत का निर्माण करना है और आपको एवं होना चाहिए आज भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए केवल भाजपा ही ऐसी पार्टी है जो यह कार्य कर सकती है इसलिए अपने राष्ट्र की सुरक्षा के लिए और युवाओं के सुरक्षित भविष्य के लिए भाजपा के पक्ष में मतदान करना चाहिए इस अवसर पर रुड़की जिला प्रभारी आदित्य चौहान ने कहा कि युवा हमारा भविष्य है उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा युवाओं को कौशल विकास हेतु विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं जिससे युवाओं को एक नया मंच एवम उद्योगों को ऊर्जावान युवा मिल सके. प्रदेश आईटी सेल संयोजक मयंक गुप्ता ने युवाओं से भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की उन्होंने युवाओं को स्वरोजगार अपनाने और अन्य युवाओं हेतु रोजगार के अवसर पैदा करने की सलाह दी कार्यक्रम का संचालन अदिति चौहान ने किया. कार्यक्रम में लोकसभा प्रत्याशी त्रिवेंद्र सिंह रावत युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष गौरव कौशिक, विक्रम भुल्लर, कोर विश्वविद्यालय अध्यक्ष यूसी जैन, भाजपा जिला अध्यक्ष शोभाराम प्रजापति, जिला मंत्री सतीश सैनी,जिला कोष अध्यक्ष नितिन गोयल, जिला मीडिया प्रभारी पंकज नंदा, रोमा सैनी , पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष दिनेश कौशिक,रुमी चौधरी, मोहित राष्ट्रवादी ,युवा नेता अक्षय प्रताप सिंह,गौरव त्यागी ,योगी रोड, मनी नारंग, नितिन त्यागी आदि उपस्थित रहे।

Date: 9.4.24 Newspaper: Badri Vishal

कोर विश्वविद्यालय में हुआ गुरु सम्मान कार्यक्रम का आयोजन

शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान हेतू राष्ट्रीय स्तर के 300 से अधिक शिक्षाविद् सम्मानित

रुड़की बद्री विशाल। कोर विश्वविद्यालय के वर्द्धमान सभागार में शिक्षा की बेहतर संकल्पना को साकार करने हेतु अखिल भारतीय

स्तर पर 'गुरु सम्मान' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें राष्ट्रीय स्तर के 300 से अधिक शिक्षाविदों ने सहभागिता की। इस अवसर पर कोर विश्वविद्यालय परिवार की ओर से सभी शिक्षकों को शिक्षा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान हेतु प्रशस्ति-पत्र एवं मोमेंटो से सम्मानित किया गया। उद्घाटन सत्र में भारतवर्ष के विभिन्न हिस्सों से आये सम्मानित गुरुजनों को संबोधित करते हुए प्रेसिडेंट, कोर विश्वविद्यालय जेसी जैन ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों द्वारा शिक्षा जगत की समृद्धि, विकास एवं समाज के लिए किये जाने वाले उनके पुनीत कार्यों को प्रकाश में लाने के साथ-साथ उन्हें सम्मानित करना है। यह सर्व विदित है कि शिक्षक होना गर्व की बात है और मानव जीवन पर्यन्त अपने गुरु के ऋण से मुक्त नहीं हो सकता है। उन्होंने शिक्षक समुदाय को आश्वासन देते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में और एक शिक्षक के जीवन के सर्वांगीण विकास में मुझसे जो भी बन पड़ेगा, वह मैं निःस्वार्थ भाव से करूँगा। मेरा समस्त जीवन शिक्षा को समर्पित है। विश्वविद्यालय परिवार शिक्षकों एवं शिक्षा व्यवस्था हेतु सतत कार्य करती रहेगी। उप वाईस प्रेसिडेंट, कोर विश्वविद्यालय श्रेयांश जैन ने स्कूल शिक्षा व विश्वविद्यालय शिक्षा के बीच सशक्त सेतु निर्माण पर बल दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अंकुश मित्तल ने अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि 'शिक्षक समाज का निर्माण करता है और वह आदर्श व्यवस्था का अनुकरणीय स्रोत होता है। उन्होंने शिक्षकों के अकादमिक जीवन को अपडेट करने पर विशेष जोर दिया तथा नए शामिल पाठ्यक्रमों जिसमें एम.एस.सी. के नए पाठ्यक्रमों सहित पीएचडी पाठ्यक्रमों में प्रवेश को सरलीकृत और सुगम बनाने और पूर्ण सुविधाएँ प्रदान करने पर विशेष बल किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के उपकुलपति डॉ. बी.एम. सिंह ने शिक्षा के व्यवसाय में तकनीक के प्रयोग विषय पर सत्र को सम्बोधित किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव सह निदेशक (कोर मेडिकल कॉलेज ऑफ आयुर्वेद एंड हॉस्पिटल) डॉ. मनीष माथुर ने कैरियर काउंसलिंग विषय पर रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों पर विशेष प्रकाश डाला और शिक्षक समुदाय को व्यवसायिक पाठ्यक्रमों के महत्व और उनमें रोजगार के अवसर पर परिचर्चा की। इस अवसर पर जे सी जैन प्रेसिडेंट, कोर विश्वविद्यालय, श्रीमती सुनीता जैन वाईस प्रेसिडेंट सह कार्यक्रम की मुख्य अतिथि, श्रेयांश जैन उप वाईस प्रेसिडेंट, श्रीमती चारू जैन उप वाईस प्रेसिडेंट, डॉ. अंकुश मित्तल कुलपति, डॉ. बी.एम. सिंह उप-कुलपति, डॉ. मनीष माथुर कुल-सचिव सह निदेशक मेडिकल आदि शामिल रहे। कार्यक्रम में डॉ. अमित सक्सेना एवं डॉ. मुनेश सेठी का व्याख्यान उल्लेखनीय रहा। विद्यार्थियों ने विविध विषयों पर रंगारंग कार्यक्रम से समां बांध दिया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. गेरु ठाकुर ने दिया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. मनीष माथुर और उप समन्वयक नवनीत विवेक रहे।

Date: 9.4.24 Newspaper: Bhaskar Samachar Seva

कोर विश्वविद्यालय के वर्धमान सभागार में आयोजित किया गया 'गुरु सम्मान' कार्यक्रम

शिक्षकों को प्रशस्ति-पत्र एवं मोमेंटों से सम्मानित किया

भास्कर समाचार सेवा

रुड़की। कोर विश्वविद्यालय के वर्धमान सभागार में शिक्षा की बेहतर संकल्पना को साकार करने के लिए अखिल भारतीय स्तर पर 'गुरु सम्मान' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें राष्ट्रीय स्तर के 300 से अधिक शिक्षाविदों ने सहभागिता की। इस अवसर पर कोर विश्वविद्यालय परिवार के ओर से सभी शिक्षकों को शिक्षा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रशस्ति-पत्र एवं मोमेंटों से सम्मानित किया गया। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए प्रेसिडेंट जेसी जैन ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों द्वारा किये जाने वाले कार्यों को प्रकाश में लाने के साथ साथ उन्हे सम्मानित करना है। उप वाईस प्रेसिडेंट श्रेयांश जैन ने स्कूल शिक्षा

सम्मानित होने वाले गुरू जन और विश्वविद्यालय के पदाधिकारी।

व विश्वविद्यालय शिक्षा के बीच सशक्त के लिए निर्माण पर बल दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अंकुश मित्तल ने कहा कि शिक्षक समाज का निर्माण करता है और वह आदर्श व्यवस्था का अनुकरणीय स्रोत होता है।उन्होंने शिक्षकों के अकादमिक जीवन को अपग्रेड करने पर विशेष जोर दिया तथा नए शामिल पाठ्यक्रमों में प्रवेश को सरलीकृत और सुगम बनाने और पूर्ण सुविधाएं प्रदान करने पर विशेष बल किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के उपकुलपति डॉ. बीएम सिंह ने शिक्षा के व्यवसाय में तकनीक के प्रयोग विषय पर सत्र को संबोधित किया। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव सह निदेशक (कोर मेडिकल कॉलेज ऑफ आयुर्वेद एड हॉस्पिटल) डॉ. मनीष माथुर ने कैरियर काउंसेलिंग विषय पर सत्र को सम्बोधित करते हुए रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों पर विशेष प्रकाश डाला। इस अवसर पर सुनीता जैन (वाईस प्रेसिडेंट सह कार्यक्रम की मुख्य अतिथि), चारू जैन (उप वाईस प्रेसिडेंट), डॉ. अंकुश मित्तल (कुलपति), डॉ. बीएम सिंह (उपकुलपति), डॉ. मनीष माथुर (कुलसचिव सह निदेशक मेडिकल) आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम में डॉ. अमित सक्सेना एवं डॉ. मुनीश सेठी का व्याख्यान उल्लेखनीय रहा। विद्यार्थियों ने विविध विषयों पर रंगारंग कार्यक्रम से समां बांध दिया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. मेधु ठाकुर ने दिया। कार्यक्रम के समन्वक डॉ. मनीष माथुर और उप समन्वयक नवनीत विवेक रहे।

Date: 8.4.24 Newspaper: Amar Ujala (My City) News Page No. 2 (My City)

my city
देहरादून सोमवार • 08.04.2024
अमर उजाला 02
amarujala.com/haridwar

सहायक प्राध्यापिका के पद पर चयन होने पर स्वागत

हरिद्वार। [illegible] कॉलेज में पहले अध्ययन और [illegible] शिक्षिका के रूप में अध्यापन करने वाली [illegible] सुगंधा [illegible] का उत्तराखंड लोक सेवा [illegible] में वाणिज्य विभाग में सहायक प्राध्यापिका के पद पर चयन हो गया है। इससे कॉलेज परिवार में खुशी का माहौल है।

कॉलेज प्रबंधन, छात्र-छात्राएं और शिक्षकों ने [illegible] स्वागत किया। कॉलेज प्रबंधन के अध्यक्ष [illegible] ने डॉ. सुगंधा को आशीर्वचन प्रदान किया और उनको नित नए मुकाम हासिल करने के लिए प्रेरित किया। डॉ. सुगंधा वर्मा को उन्होंने मेधावी छात्रा और एक कुशल शिक्षिका के रूप में सम्मानित किया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार बत्रा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. संजय कुमार माहेश्वरी, कॉलेज काउंसिल के अध्यक्ष विनय थपलियाल, एमसी पाण्डेय, डॉ. विजय शर्मा, सुषमा नयाल, डॉ. लता शर्मा, मोना शर्मा, डॉ. अनुरिष, डॉ. आशा शर्मा, पदमावती आदि मौजूद रहे। ब्यूरो

छात्राओं ने कार्यक्रम से बांधा समा

मसूरी। मसूरी इंटरनेशनल स्कूल का वार्षिक पुरस्कार एवं पीवाईपीपी-5 स्नातक विदाई दिवस समारोह का वैदिक मंत्रों के साथ शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि डीआरडीओ की संयुक्त निदेशक अनिता पुरी महेन्द्रु का प्रधानाचार्या मीता शर्मा ने स्वागत किया।

समारोह में छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से समा बांधा। कार्यक्रम में सर्वोत्तम प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को प्रिंसिपल कप से सम्मानित किया गया। गायत्री, लक्ष्मी और संतोषी सदन की छात्राओं को ट्रॉफी दी गई। संवाद

300 से अधिक शिक्षाविद् सम्मानित

कोर विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय स्तर पर 'गुरु सम्मान' कार्यक्रम का आयोजन किया गया

माई सिटी रिपोर्टर

रुड़की/हरिद्वार। कोर विश्वविद्यालय के वर्धमान सभागार में शिक्षा की बेहतर संकल्पना को साकार करने के लिए अखिल भारतीय स्तर पर 'गुरु सम्मान' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें राष्ट्रीय स्तर के 300 से अधिक शिक्षाविदों ने सहभागिता की।

उद्घाटन सत्र में देश के विभिन्न हिस्सों से आए गुरुजनों को संबोधित करते हुए विवि के अध्यक्ष जेसी जैन ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों की गरिमा का पुनर्स्थापन और समाज के लिए किए जाने वाले उनके पुनीत कर्म के प्रकाश को अवलोकित करना है।

इस अवसर पर विवि के कुलपति डॉ. अंकुश मित्तल ने कहा कि शिक्षक समाज का निर्माण करता है और वह आदर्श व्यवस्था का अनुकरणीय श्रोत होता है। साथ ही उन्होंने शुरू हुए नये पाठ्यक्रम एमएससी सहित पीएचडी के पाठ्यक्रमों में प्रवेश को लेकर जानकारी दी। इसके साथ ही छात्र-छात्राओं ने बालिका उत्पीड़न पर आधारित नृत्य के साथ ही रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के उपकुलपति डॉ. वीएम सिंह, कुलसचिव सह निदेशक डॉ. मनीष माथुर, वाइस प्रेसिडेंट सुनीता जैन, उप वाईस प्रेसिडेंट श्रेयांश जैन, चारू जैन, कुलपति डॉ. अंकुश मित्तल, डॉ. बीएम सिंह, डॉ. अमित सक्सेना, डॉ. मुनीश सेठी और डॉ. गेशु ठाकुर आदि मौजूद रहे।

रुड़की हरिद्वार रोड स्थित कोर विवि में आयोजित गुरु सम्मान कार्यक्रम में सम्मानित किए गए शिक्षक शिक्षिकाएं। - संवाद

शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए मिला सम्मान

कोर विवि में आयोजित गुरु सम्मान कार्यक्रम में प्रस्तुति देते छात्र-छात्राएं। संवाद

Date: 4.4.24

News : Online Recevied

COER UNIVERSITY

UNIVERSITY OF OPPORTUNITIES

ADMISSIONS OPEN

COURSES OFFERED

- AGRONOMY
- BUSINESS MANAGEMENT
- CHEMISTRY
- CIVIL ENGINEERING
- COMPUTER SCIENCE
- COMPUTER SCIENCE & ENGINEERING
- ELECTRICAL ENGINEERING
- ENERGY ENGINEERING
- HEALTH SCIENCES
- HUMANITIES
- MATHEMATICS
- MECHANICAL ENGINEERING
- MEDIA STUDIES
- PHARMACY
- PHYSICS
- LEGAL STUDIES

SCAN TO APPLY

Ph.D.

FULL / PART TIME

LAST DATE FOR SUBMISSION OF APPLICATIONS
6TH APRIL, 2024

DATE OF ENTRANCE TEST & INTERVIEW
12TH APRIL, 2024

Financial assistance will be offered to full time scholars based upon the merit list.

Interested Candidate to Submit Application at: phd@coeruniversity.ac.in

Date: 28.3.24 Newspaper: Amar Ujala News Page No. 2

विवि के शोध का लाभ प्रदेश, युवाओं और आम आदमी को मिले : राज्यपाल

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने निजी विवि के कुलपतियों के साथ की बैठक

अमर उजाला ब्यूरो

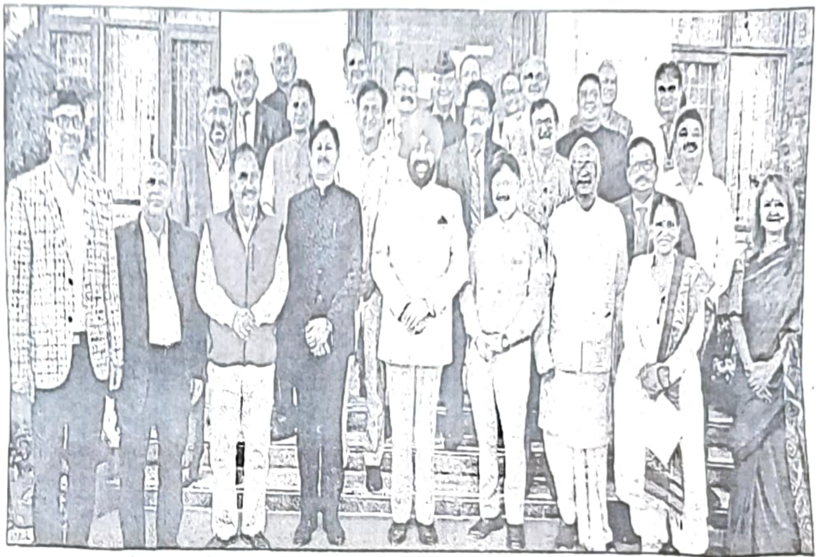

राज्यपाल ने बुधवार को राजभवन में निजी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ बैठक की। सूचना विभाग

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने कहा, विश्वविद्यालय यह प्रयास करें कि शोध एवं अनुसंधान का लाभ प्रदेश, युवाओं और आम आदमी को मिले। राज्यपाल ने यह बात राजभवन में निजी विवि के कुलपतियों के साथ बुधवार को हुई बैठक में कही।

उन्होंने कहा, राज्य के विकास एवं प्रगति में विश्वविद्यालयों की अहम भूमिका है। राज्यपाल ने सभी निजी एवं राजकीय विश्वविद्यालयों के आपसी समन्वय पर जोर देते हुए कहा, विश्वविद्यालय सर्वोत्तम प्रथाओं को आपस में साझा करें। महिला स्वयं सहायता समूहों की ओर से बनाए गए उत्पादों की पैकेजिंग और ब्रांडिंग के लिए अपेक्षित सहयोग करें।

कहा, विश्वविद्यालय कई सामाजिक एवं आर्थिक समस्याओं के समाधान के लिए शोध एवं अध्ययन को बढ़ावा दें। कुलपति विवि की सर्वोत्तम प्रथाओं को राजभवन और शासन के साथ भी साझा करें। कहा, बदलते समय में विवि को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मेटा एवं क्वांटम जैसी नवीन तकनीकों को अपनाकर उसमें शोध एवं अनुसंधान को बढ़ावा देना होगा।

कुलपतियों ने विवि में अपनाई जा रही बेस्ट प्रैक्टिसेज, उपलब्धियों व अन्य गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने राज्य के विकास पर विवि द्वारा किए जा रहे अनुसंधान एवं शोध की जानकारी दी। इसके अलावा कुलपतियों ने आर्थिक रूप से कमजोर छात्र-छात्राओं के लिए विश्वविद्यालय स्तर पर किए जा रहे प्रयासों की भी जानकारी दी।

बैठक में सचिव उच्च शिक्षा शैलेश बगौली, सचिव राज्यपाल रविनाथ रामन, यूपीईएस विवि देहरादून, इक्फाई विवि देहरादून, पतंजलि विवि हरिद्वार, ग्राफिक एरा पर्वतीय विवि देहरादून, आईएमएसयूनिसन विवि दून, श्रीगुरु राम राय विवि देहरादून, स्वामी राम हिमालयन विवि देहरादून, डीआईटी विवि देहरादून, उत्तरांचल विवि देहरादून, मदरहुड विवि रुड़की, सरदार भगवान सिंह विवि देहरादून, सूरजमल विवि काशीपुर ऊधमसिंहनगर आदि के कुलपति मौजूद थे।

Date: 7.3.24

कोर विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय फार्मेसी शिक्षा दिवस पर गोष्ठी का आयोजन

रुड़की, 6 मार्च (अनिल) : राष्ट्रीय फार्मेसी शिक्षा दिवस के उपलक्ष में कोर विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग में गोष्ठी का आयोजन किया गया।

गोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में मृत्युंजय कुमार उपाध्यक्ष थेमिस मेडिकेयर प्राइवेट लिमिटेड एवं कुमुद कांडपाल एजीएम ओटीसी मार्केटिंग विन मेडिकेयर प्राइवेट लिमिटेड उपस्थित रहे। गोष्ठी का प्रारम्भ मां सरस्वती के सामने दीप प्रज्वलित कर किया गया।

> फार्मेसी क्षेत्र के विकास में [illegible] मृत्युंजय कुमार

मुख्य वक्ता मृत्युंजय कुमार ने कहा फार्मेसी आने वाले समय में एक उभरता हुआ क्षेत्र है। इस क्षेत्र के अंदर फार्मेसी के मानक स्थापित करने के लिए अच्छे फार्मासिस्ट भविष्य के लिए हमें चाहिए और एक अच्छे फार्मासिस्ट का सर्वांगीण विकास शिक्षण संस्थान में ही होता है। कुमुद कांडपाल ने बताया कि भारत ने पूरी दुनिया को अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है।कोविड के समय भारत मात्र एक ऐसा देश था जिसने पूरे विश्व को दवाइयां भेजी और संकट मोचन का काम किया।

सबसे कम से समय में वैक्सीन बनाकर विश्व को एक संदेश दिया। कुलाधिपति जेसी जैन ने कहा कि देश में स्वास्थ्य सेवाएं एवं उनका स्तर निरंतर बढ़ रहा है। कुलपति डॉ अंकुश मित्तल ने कहा स्वास्थ्य सेवा से संबंधित विद्यार्थियों के के कंधों पर अतिरिक्त जिम्मेदारियां है। कार्यक्रम का संचालन डॉ तान्या ने किया। गोष्ठी में बलजीत कौर, रोहित चौहान, भावना, उर्वशी, हरीश, यतीश, अंशिका सहित छात्र-छात्राएं आदि उपस्थित रहे।

Date: 7.3.24 Newspaper: Janvaani

फार्मेसी और शिक्षण संस्थानों का साथ आना जरूरी

• जनवाणी संवाददाता, रुड़की

कोर विश्वविद्यालय में आयोजित हुआ राष्ट्रीय फार्मेसी शिक्षा दिवस-2024

राष्ट्रीय फार्मेसी शिक्षा दिवस के उपलक्ष में कोर विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग में गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में मृत्युंजय कुमार उपाध्यक्ष थेमिस मेडिकेयर प्राइवेट लिमिटेड एवं कुमुद कांडपाल एजीएम ओटीसी मार्केटिंग विन मेडिकेयर प्राइवेट लिमिटेड उपस्थित रहे। गोष्ठी का प्रारम्भ मां सरस्वती के सामने दीप प्रज्वलित करके किया गया। मुख्य वक्ता मृत्युंजय कुमार ने कहा कि फार्मेसी आने वाले समय में एक उभरता हुआ क्षेत्र है इस क्षेत्र के अंदर फार्मेसी के मानक स्थापित करने के लिए अच्छे फार्मासिस्ट भविष्य के लिए हमें चाहिए और एक अच्छे फार्मासिस्ट का सर्वांगीण विकास शिक्षण संस्थान में ही होता है। फार्मेसी क्षेत्र भविष्य की संभावना का क्षेत्र है।

कुमुद कांडपाल ने बताया कि भारत ने पूरी दुनिया को अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। प्रयोगात्मक जानकारी विद्यार्थी के लिए उसके विकास में सहायक होती है। कार्यक्रम का संचालन डॉ तान्या ने किया। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति जे सी जैन द्वारा राष्ट्रीय फार्मेसी शिक्षा दिवस की सभी को शुभकामनाएं प्रेषित की, साथ ही उन्होंने कहा देश में स्वास्थ्य सेवाये एवं उनका स्तर निरंतर बढ़ रहा है जो आज अत्यंत आवश्यक है उन्होंने फार्मेसी संकाय में विश्व स्तरीय सुविधाएं एवं शिक्षा का आहवान किया और कहा इसके लिए हर संभव सुविधा प्रदान की जाएगी ।प्रति कुलपति डॉ वृजमोहन ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया और कहा इस प्रकार की गोष्ठी से छात्रों के अंदर नवोन्मेषी प्रयोग के लिए उत्सुकता उत्पन्न होगी।। गोष्ठी में कुलसचिव डॉ मनीष माथुर ने बच्चों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा लगन, मेहनत से ही हम अपने सपने पूरे कर सकते है। प्रधानाचार्य डॉ ममता ने विद्यार्थियों को अनुसंधान के क्षेत्र में कार्य करने के लिए प्रेरित किया और कहा कि विद्यार्थी की निरंतरता ही उसे सफल बनाती है। गोष्ठी में बलजीत कौर, रोहित चौहान, भावना, उर्वशी, हरीश, यतीश, अंशिका, सहित छात्र, छात्राये आदि उपस्थित रहे।

Date: 7.3.24 Newspaper: Bhaskar Samachar

भविष्य की संभावनाओं का क्षेत्र है फार्मेसी: मृत्युंजय

- 'कोर' विवि में आयोजित हुआ राष्ट्रीय फार्मेसी शिक्षा दिवस-

भास्कर समाचार सेवा

रुड़की। राष्ट्रीय फार्मेसी शिक्षा दिवस के उपलक्ष्य में कोर विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में मृत्युंजय कुमार उपाध्यक्ष थेमिस मेडिकेयर प्राइवेट लिमिटेड एवं कुमुद कांडपाल एजीएम ओटीसी मार्केटिंग विन मेडिकेयर प्राइवेट लिमिटेड उपस्थित रहे। गोष्ठी का प्रारंभ मां सरस्वती के सामने दीप प्रज्वलित कर किया गया।

मुख्य वक्ता मृत्युंजय कुमार ने कहा कि फार्मेसी आने वाले समय में एक उभरता हुआ क्षेत्र है। इस क्षेत्र के अंदर फार्मेसी के मानक स्थापित करने के लिए अच्छे फार्मासिस्ट भविष्य के लिए हमें चाहिए। एक अच्छे फार्मासिस्ट का सर्वांगीण विकास शिक्षण संस्थान में ही होता है। फार्मेसी क्षेत्र भविष्य की संभावना का क्षेत्र है। कुमुद कांडपाल ने बताया कि भारत ने पूरी दुनिया को अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। शिक्षण संस्थानों में पढ़ाई के साथ साथ फार्मेसी क्षेत्र में हो रहे नए अनुसंधान के बारे में जानकारी देना भी आवश्यक हो गया है। इस अवसर पर बलजीत कौर, रोहित चौहान, भावना, उर्वशी आदि उपस्थित रहे।

Date: 7.3.24	Newspaper: Rashtiya sahara	News Page No. 4

राष्ट्रीय फार्मेसी शिक्षा दिवस पर कोर विवि में गोष्ठी आयोजित

रुड़की। राष्ट्रीय फार्मेसी शिक्षा दिवस पर कोर विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग में गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में थेमिस मेडिकेयर प्राइवेट लिमिटेड के उपाध्यक्ष मृत्युन्जय कुमार एवं ओटीसी मार्केटिंग विन मेडिकेयर प्राइवेट लिमिटेड के एजीएम कुमुद कांडपाल उपस्थित रहे।

गोष्ठी का प्रारम्भ मां सरस्वती के सामने अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। मुख्य वक्ता मृत्युन्जय कुमार ने कहा कि फार्मेसी आने वाले समय में उभरता हुआ क्षेत्र है। इस क्षेत्र के अंदर फार्मेसी के मानक स्थापित करने के लिए अच्छे फार्मासिस्ट भविष्य के लिए हमें चाहिए। उन्होंने कहा कि फार्मेसी क्षेत्र भविष्य की संभावना का क्षेत्र है। एक अच्छे फार्मासिस्ट का सर्वांगीण विकास शिक्षण संस्थान में ही होता है। विशिष्ट अतिथि कुमुद कांडपाल ने बताया कि भारत ने पूरी दुनिया को अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। डॉ. तान्या के संचालन में आयोजित गोष्ठी में प्रति कूलपति डॉ. बृजमोहन, कुलसचिव डॉ. मनीष माथुर, प्रधानाचार्य डॉ. ममता ने विद्यार्थियों को अनुसंधान के क्षेत्र में कार्य करने के लिए प्रेरित किया। गोष्ठी में बलजीत कौर, रोहित चौहान, भावना, उर्वशी, हरीश, सतीश, अंशिका आदि उपस्थित रहे।

कलाओं के रूप में ज्ञान का दर्शन भारतीय चिंतन की देन : राज्यपाल

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

रुड़की।

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने कहा कि विभिन्न कलाओं के रूप में ज्ञान का दर्शन भारतीय चिंतन की देन है। भारत में बहु विषयक शिक्षा की प्राचीन परंपरा है। जिसे पुनः भारतीय शिक्षा में शामिल करने से युवा अपने संपूर्ण ज्ञान का प्रयोग स्वयं के व्यक्तिगत विकास के साथ ही सामाजिक और राष्ट्र के विकास में कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि यह शिक्षविदों का दायित्व है कि युवा सही मायने में वो वैश्विक नागरिक बनकर अपने ज्ञान, कौशल का सदुपयोग करते हुए देश का नाम ऊंचा कर सकें।

कॉलेज ऑफ इन्जीनियरिंग में भारत ज्ञान समागम का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि के रूप में राज्यपाल ने कुलपतियों और महाविद्यालयों के प्राचार्यो को सम्बोधित करते हुए कहा कि भारत की नई शिक्षा नीति में युवा वर्ग के व्यक्तित्व का विकास इस प्रकार करना है, कि उनमें अपने मौलिक दायित्वों, संवैधानिक मूल्यों, देश के साथ जुड़ाव के साथ ही बदलते परिवेश में नागरिक की भूमिका और उत्तरदायित्वों की जागरूकता उत्पन्न हो सके। उन्होंने

कार्यक्रम को सम्बोधित करते राज्यपाल।

कहा कि नई शिक्षा नीति का लक्ष्य, शिक्षार्थी का संपूर्ण विकास करना है। उन्होंने कहा कि नयी नीति, गुणवत्ता, नवाचार, तकनीक, उद्यमिता, बहुआयामी और रोजगार परक शिक्षा बनाने के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल है। राज्यपाल ने कहा कि युवाओं के लिए उच्च शिक्षा का मुख्य उद्देश्य, युवा को समाज और देश की समस्याओं के लिए प्रबुद्ध, जागरूक, जानकार और सक्षम बनाना है। ताकि युवा नागरिकों का उत्थान कर सकें और समस्याओं के सशक्त समाधान ढूंढ कर और उन समाधानों को कार्यान्वित करके एक प्रगतिशील, सुसंस्कृत, उत्पादक, प्रगतिशील और समृद्ध राष्ट्र का प्रतिनिधित्व कर सकें। उन्होंने नवाचार और उद्यमिता को शिक्षा में शामिल करने पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर जोर दिया। चांसलर जेसी जैन ने कहा कि सम्मेलन का उद्देश्य विचारों को साझा करना और शिक्षा के लिए बेहतर तरीके तैयार करना था। विशेषज्ञों ने नई शिक्षा योजना में विभिन्न क्षेत्रों के संयोजन, नवाचार, प्रौद्योगिकी और व्यवसाय शुरू करने जैसे नए पहलुओं के बारे में बात की। यह पहली बार है कि किसी निजी विश्वविद्यालय ने इस तरह का कार्यक्रम आयोजित किया है।

पैनल चर्चाओं के दौरान विशेषज्ञों ने भविष्य के नौकरी रचनाकारों को तैयार करने में विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उद्योग जगत की हस्तियों ने अपनी अंतर्दृष्टि साझा की। उन्होंने भारतीय विश्वविद्यालयों के लिए दृष्टिकोण पर चर्चा की और भविष्य के करियर के लिए आवश्यक कौशल पर प्रकाश डाला। शिक्षा में प्रौद्योगिकी के सभी तरह के प्रभावों पर विचार मंथन हुआ। चर्चाएं एआई, आभासी वास्तविकता और

■ भारत ज्ञान समागम में शिक्षा के नये आयाम पर हुआ मंथन

अन्य इनोवेशन के प्रभावी उपयोग पर केंद्रित थी। इस दौरान कौशल विकास रणनीतियों पर प्रकाश डाला गया।

विशेषज्ञों ने बदलते कार्यबल की जरूरतों के साथ विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम को संरेखित करने पर विचार-विमर्श के साथ ही कक्षा में विविध सीखने की जरूरतों को पूरा करने पर विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक डा. गेसू ठाकुर और डा. मनीष कुमार माथुर ने बताया कि इस समागम का उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में विचारों का आदान-प्रदान करना और शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए नई रणनीतियां विकसित करना था।

समागम में देशभर के 22 राज्यों के 50 से अधिक कुलपतियों और 500 से अधिक महाविद्यालयों के प्राचार्यो ने भाग लिया। समागम में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षकों को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड और एक्सेमप्लेरी अवार्ड से सम्मानित भी किया गया।

राष्ट्रीय सहारा ११ फरवरी २०२४ (पृष्ठ न0 ४)

Universities reflect achievements of the nation: Governor

PNS ■ DEHRADUN

The governor lieutenant general (retd) Gurmit Singh has said that the educational institutes are the correct reflection of the achievements of any country. He was addressing a conclave of vice chancellors and academicians at COER University in Roorkee on Saturday. The governor said that it is the appropriate time when the universities should move forward on education, research and dedication. He said that the time has come when we should sculpt our universities and make them institutions of international standard. The governor exhorted the educational institutes to play an important role in the development of the country. He opined that the universities play an important role in shaping the future of the youth. Singh said that the universities should prepare such youths who are job providers and not job seekers. He added that India will become a world leader by such youngsters. The governor said that the teachers play an important role in society and exhorted the academicians to prepare the generation of Amrit Kal by their experience.

dHecexpressed confi that the conclave will prove to be a step in the direction of a strong India. Noted author and inspirational speaker Shiv Khera and former chairperson of Uttarakhand Public Service Commission (UkPSC), JMS Rana also addressed the conclave.

The VCs of more than 50 universities of 20 states and heads of about 400 educational institutions attended the conclave. A felicitation ceremony was also organised in the conclave. The chancellor of COER University JC Jain, founder Sunita Jain, Pro-VC Shreyansh Jain and others also attended the programme.

News Paper - The Pioneer

News Page No – 02

Date – 12/2/24

कोर विश्वविद्यालय में हुआ विकसित भारत अभियान के तहत 'भारत ज्ञान समागम-2024'

भारत की समृद्धि में हमारी समृद्ध शिक्षा का अहम योगदानः राज्यपाल

भास्कर समाचार सेवा

समारोह की स्मारिका का विमोचन करते राज्यपाल गुरमीत सिंह व अन्य।

रूड़की। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने शनिवार को कोर विश्वविद्यालय में विकसित भारत अभियान के तहत 'भारत ज्ञान समागम-2024' कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। भारत ज्ञान समागम में देशभर के 20 राज्यों के 50 से अधिक विश्वविद्यालयों के कुलपतियों और 400 से अधिक शिक्षण संस्थाओं के प्रधानाचार्यों/प्राचार्यों एवं शिक्षाविदों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में राज्यपाल ने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहे शिक्षाविदों को सम्मानित किया और समारोह की स्मारिका का भी विमोचन किया।

उन्होंने कहा कि इस समारोह के आयोजन से हमारे समाज एवं ज्ञान-विज्ञान को एक नई दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि किसी भी देश की उपलब्धियों का सच्चा प्रतिबिम्ब उस देश में स्थित शिक्षण संस्थान होते हैं। भारत की समृद्धि में हमारी समृद्ध शिक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा ग्रहण कर रहे हमारे युवाओं का भविष्य संवारने में विश्वविद्यालयों की बेहद महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ऐसे कुशल युवाओं को तैयार करें जो रोजगार ढूंढने वाले न हों बल्कि रोजगार प्रदान करने वाले हों। उन्होंने कहा कि इन्हीं युवाओं के बलबूते हम विश्व गुरू और विश्व भारत के लक्ष्य को प्राप्त कर पायेंगे। राज्यपाल ने कहा कि शिक्षकों की समाज निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने शिक्षाविदों से आह्वान किया कि वे अपनी ज्ञान गंगा से भारत को नई ऊंचाईयों में ले जाने में अपनी सहभागिता दें। इस कार्यक्रम में जाने माने अन्तर्राष्ट्रीय लेखक व प्रेरक वक्ता शिव खेड़ा, लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. जेएमएस राणा ने भी अपने वक्तव्य रखे। इस अवसर पर कोर विश्वविद्यालय के चांसलर जेसी जैन, संस्थापिका सुनिता जैन, प्रो वाइस चांसलर श्रेयांश जैन सहित अनेक शिक्षाविद् मौजूद रहे।

दैनिक भास्कर ११ फरवरी २०२४ (पृष्ठ न० ४)

'विश्वविद्यालयों के लिए आगे बढ़ने का सही समय'

जनसत्ता संवाददाता
रुड़की, 10 फरवरी।

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) शनिवार को कोर विश्वविद्यालय रूड़की में विकसित भारत अभियान के तहत 'भारत ज्ञान समागम-2024' कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस समारोह के आयोजन से हमारे समाज एवं ज्ञान-विज्ञान को एक नई दिशा मिलेगी।

उन्होंने कहा कि किसी भी देश की उपलब्धियों का सच्चा प्रतिबिंब उस देश में स्थित शिक्षण संस्थान होते हैं। भारत की समृद्धि में हमारी समृद्ध शिक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों का यह सही समय है जब उन्हें अध्ययन, अनुसंधान और समर्पण के माध्यम से आगे बढ़ना है। यह समय हमें अपने विश्वविद्यालयों को तराशने और उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उच्चतर मानकों और दर्शनों के साथ मिलाकर विश्वस्तरीय शिक्षण संस्थानों में बदलने का है। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थाओं को देश के विकास में योगदान देने के लिए अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करनी होगी।

कार्यक्रम में देशभर के 20 राज्यों के 50 से अधिक विश्वविद्यालयों के कुलपतियों और 400 से अधिक शिक्षण संस्थाओं के प्रधानाचार्यों-प्राचार्यों एवं शिक्षाविदों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में राज्यपाल ने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहे शिक्षाविदों को सम्मानित किया और समारोह की स्मारिका का भी विमोचन किया।

जनसत्ता (चंडीगण प्रकाशन) ११ फरवरी २०२४ (पृष्ठ न० १४)

कोर विवि में शिक्षा के नये आयाम पर हुआ मंथन

शिक्षा समागम

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह कार्यक्रम के रहे मुख्य अतिथि

- **यूनिवर्सिटी द्वारा शिक्षा पर हुई विस्तृत चर्चा**

अमर हिंदुस्तान

रूड़की। कोर यूनिवर्सिटी रूड़की में भारत ज्ञान समागम का आयोजन हुआ। यह समागम शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसमें देश भर के 22 राज्यों के 50 से अधिक कुलपतियों और 500 से अधिक विद्यालयों के प्राचार्यों ने भाग लिया।समागम के मुख्य अतिथि उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह, मुख्य अतिथि शिव खेड़ा थे। इस कार्यक्रम में शिक्षा के नये आयामों पर मंथन हुआ, जिसमें विशेषज्ञों ने नई शिक्षा नीति में मल्टीडिसिप्लिनरी रेगुलेशन, इनोवेशन, टेक्नोलॉजी और एंटरप्रेन्योरशिप को शिक्षा में शामिल करने पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर जोर दिया।यह पहली बार है जब कोई निजी विश्वविद्यालय इस तरह का कार्यक्रम आयोजित किया है। समागम में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षकों को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड और एक्सेमप्लेरी अवार्ड से सम्मानित भी किया गया।कार्यक्रम के मुख्य आयोजक डॉ. गेसू ठाकुर और डॉ. मनीष कुमार माथुर ने बताया कि इस समागम का उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में विचारों का आदान-प्रदान करना और शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए नई रणनीतियां विकसित करना था।बहुप्रतीक्षित शिक्षा शिखर सम्मेलन एक भव्य उद्घाटन समारोह के साथ शुरू हुआ। मुख्य अतिथि ने प्रेरणादायक भाषण दिया, जिसमें शिक्षा में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।पैनल चर्चाओं के दौरान उच्च शिक्षा में नवाचार और उद्यमिता पर विचार-विमर्श हुआ। विशेषज्ञों ने भविष्य के नौकरी रचनाकारों को तैयार करने में विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।उद्योग जगत की हस्तियों ने अपनी अंतर्दृष्टि साझा की। उन्होंने भारतीय विश्वविद्यालयों के लिए दृष्टिकोण पर चर्चा की और भविष्य के करियर के लिए आवश्यक कौशल पर प्रकाश डाला। पैनल चर्चा में शिक्षा में कमियों को पाटने और सभी छात्रों को समान अवसर प्रदान करने पर विचार-विमर्श किया गया। इस चर्चा में सस्टेनेबल फ्यूचर के लिए परिवर्तनकारी शिक्षा पर चर्चा हुई। उद्योग सत्र में प्रायोजकों ने अपनी प्रस्तुतियाँ दीं। भारत को 2047 की ओर आगे बढ़ाने में शिक्षा की भूमिका पर विचार-विमर्श हुआ। पाठ्यक्रम में बदलाव, अनुसंधान फोकस और सहयोगात्मक भागीदारी पर ध्यान दिया गया।पैनल चर्चा में समावेशी शिक्षा रणनीतियों पर चर्चा हुई।गंगा आरती और सांस्कृतिक संध्या के साथ समारोह का समापन हुआ।कोर यूनिवर्सिटी के चांसलर श्री जेसी जैन ने कहा, "सम्मेलन का उद्देश्य विचारों को साझा करना और शिक्षा के लिए बेहतर तरीके तैयार करना था। विशेषज्ञों ने नई शिक्षा योजना में विभिन्न क्षेत्रों के संयोजन, नवाचार, प्रौद्योगिकी और व्यवसाय शुरू करने जैसे नए पहलुओं के बारे में बात की। यह पहली बार है कि किसी निजी विश्वविद्यालय ने इस तरह का कार्यक्रम आयोजित किया है। सम्मेलन में शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन काम करने वाले शिक्षकों को लाइफटाइम अचीवमेंट और अनुकरणीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।"

अमर उजाला एवं हिन्दुस्तान ११ फरवरी २०२४ (पृष्ठ न० ६)

भारत ज्ञान समागम में शिक्षा के नये आयाम पर हुआ मंथन

वीर अर्जुन संवाददाता

रूड़का। कोर यूनिवर्सिटी रूड़की में भारत ज्ञान समागम का आयोजन हुआ। यह समागम शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसमें देश भर के 22 राज्यों के 50 से अधिक कुलपतियों और 500 से अधिक विद्यालयों के प्राचार्यों ने भाग लिया।

समागम के मुख्य अतिथि उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह, मुख्य अतिथि शिव खेड़ा थे। इस कार्यक्रम में शिक्षा के नये आयामों पर मंथन हुआ, जिसमें विशेषज्ञों ने नई शिक्षा नीति में मल्टीडिसिप्लिनरी रेगुलेशन, इनोवेशन, टेक्नोलॉजी और एंटरप्रेन्योरशिप को शिक्षा में शामिल करने पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर जोर दिया।

यह पहली बार है जब कोई निजी विश्वविद्यालय इस तरह का कार्यक्रम आयोजित किया है। समागम में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षकों को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड और एक्सेमप्लेरी अवार्ड से सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक डॉ. गेसू ठाकुर और डॉ. मनीष कुमार माथुर ने बताया कि इस समागम का उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में विचारों का आदान-प्रदान करना और शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए नई रणनीतियां विकसित करना था।

बहुप्रतीक्षित शिक्षा शिखर सम्मेलन एक भव्य उद्घाटन समारोह के साथ शुरू हुआ। मुख्य अतिथि ने प्रेरणादायक भाषण दिया, जिसमें शिक्षा में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। पैनल चर्चाओं के दौरान उच्च शिक्षा में नवाचार और उद्यमिता पर विचार-विमर्श हुआ। विशेषज्ञों ने भविष्य के नौकरी रचनाकारों को तैयार करने में विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।उद्योग जगत की हस्तियों ने अपनी अंतर्दृष्टि साझा की। उन्होंने भारतीय विश्वविद्यालयों के लिए दृष्टिकोण पर चर्चा की और भविष्य के करियर के लिए आवश्यक कौशल पर प्रकाश डाला। शिक्षा में प्रौद्योगिको के सभी तरह के प्रभावों पर विचार मंथन हुआ। चर्चाएं एआई, आभासी वास्तविकता और अन्य इनोवेशन के प्रभावी उपयोग पर केंद्रित थीं।

वीर अर्जुन ११ फरवरी २०२४ (पृष्ठ न0 ३)

भारत ज्ञान समागम, शिक्षा के नये आयाम पर हुआ मंथन

हरिद्वार (बद्री विशाल)। कोर यूनिवर्सिटी रूड़की में भारत ज्ञान समागम का आयोजन हुआ। यह समागम शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसमें देश भर के 22 राज्यों के 50 से अधिक कुलपतियों और 500 से अधिक विद्यालयों के प्राचार्यों ने भाग लिया।

समागम के मुख्य अतिथि उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह व मुख्य अतिथि शिव खेड़ा थे। कार्यक्रम में शिक्षा के नये आयामों पर मंथन हुआ, जिसमें विशेषज्ञों ने नई शिक्षा नीति में मल्टीडिसिप्लिनरी रेगुलेशन, इनोवेशन, टेक्नोलॉजी और एंटरप्रेन्योरशिप को शिक्षा में शामिल करने पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर जोर दिया। समागम में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षकों को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड और एक्सेम्प्लेरी अवार्ड से सम्मानित भी किया गया।

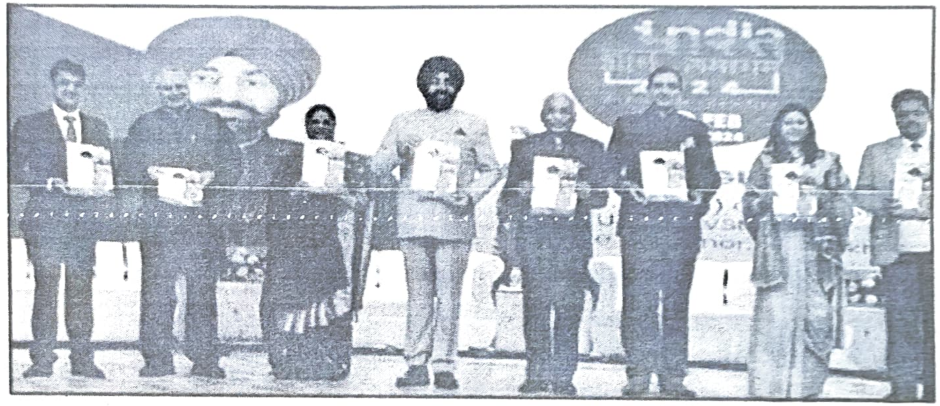

कार्यक्रम के मुख्य आयोजक डॉ. गेसू ठाकुर और डॉ. मनीष कुमार माथुर ने बताया कि इस समागम का उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में विचारों का आदान-प्रदान करना और शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए नई रणनीतियां विकसित करना था। बहुप्रतीक्षित शिक्षा शिखर सम्मेलन भव्य उद्घाटन समारोह के साथ शुरू हुआ। मुख्य अतिथि ने प्रेरणादायक भाषण दिया, जिसमें शिक्षा में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।

पैनल चर्चाओं के दौरान उच्च शिक्षा में नवाचार और उद्यमिता पर विचार-विमर्श हुआ। विशेषज्ञों ने भविष्य के नौकरी रचनाकारों को तैयार करने में विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उद्योग जगत की हस्तियों ने अपनी अंतर्दृष्टि साझा की। उन्होंने भारतीय विश्वविद्यालयों के लिए दृष्टिकोण पर चर्चा की और भविष्य के करियर के लिए आवश्यक कौशल पर प्रकाश डाला। शिक्षा में प्रौद्योगिकी के सभी तरह के प्रभावों पर विचार मंथन हुआ। चर्चाएं एआई, आभासी वास्तविकता और अन्य इनोवेशन के प्रभावी उपयोग पर केंद्रित थीं। पैनल चर्चा के दौरान कौशल विकास रणनीतियों पर प्रकाश डाला गया। विशेषज्ञों ने बदलते कार्यबल की जरूरतों के साथ विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम को संरेखित करने पर विचार-विमर्श किया। समागम में भारतीय शिक्षा प्रणाली के दृष्टिकोण और समावेशिता पर चर्चा हुई। पैनल चर्चा में शिक्षा में कमियों को पाटने और सभी छात्रों को समान अवसर प्रदान करने पर विचार-विमर्श किया गया। इस चर्चा में सस्टेनेबल फ्यूचर के लिए परिवर्तनकारी शिक्षा पर चर्चा हुई। उद्योग सत्र में प्रायोजकों ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। भारत को 2047 की ओर आगे बढ़ाने में शिक्षा की भूमिका पर विचार-विमर्श हुआ। पाठ्यक्रम में बदलाव, अनुसंधान फोकस और सहयोगात्मक भागीदारी पर ध्यान दिया गया।

कोर यूनिवर्सिटी के चांसलर जेसी जैन ने कहाकि सम्मेलन का उद्देश्य विचारों को साझा करना और शिक्षा के लिए बेहतर तरीके तैयार करना था। विशेषज्ञों ने नई शिक्षा योजना में विभिन्न क्षेत्रों के संयोजन, नवाचार, प्रौद्योगिकी और व्यवसाय शुरू करने जैसे नए पहलुओं के बारे में बात की।

बद्री विशाल ११ फरवरी २०२४ (पृष्ठ न० ७)

शिक्षा में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने पर जोर

संवाद सूत्र, बहादराबाद : कोर यूनिवर्सिटी में आयोजित भारत ज्ञान समागम में उच्च शिक्षा में नवाचार और उद्यमिता पर विचार-विमर्श किया गया। बतौर मुख्य अतिथि राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेनि) गुरमीत सिंह ने शिक्षा में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

समागम में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षकों को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड और एक्सेमप्लेरी अवार्ड से सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक डा. गेसू ठाकुर और डा. मनीष कुमार माथुर ने बताया कि इस समागम का उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में विचारों का आदान-प्रदान करना और शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए नयी रणनीतियों पर चर्चा की। विशेषज्ञों ने भविष्य के नौकरी, रचनाकारों को तैयार करने में विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने भारतीय विश्वविद्यालयों के लिए दृष्टिकोण पर चर्चा की। साथ ही भविष्य के करियर के लिए आवश्यक कौशल पर प्रकाश डाला। पैनल चर्चा में शिक्षा में कमियों को पाटने और सभी छात्रों को समान अवसर प्रदान करने पर विचार-विमर्श किया गया।

नवाचार, प्रौद्योगिकी और व्यवसाय शुरू करने जैसे नए पहलुओं के बारे में बात की। कार्यक्रम में देश भर के 22 राज्यों के 50 से अधिक कुलपतियों और 500 से अधिक विद्यालयों के प्राचार्यों ने भाग लिया।

दैनिक जागरण ११ फरवरी २०२४ (पृष्ठ न0 २)

भारत ज्ञान समागम- शिक्षा के नये आयाम पर हुआ मंथन

पहली बार किसी भी यूनिवर्सिटी द्वारा इतने बड़े पैमाने पर आयोजित कार्यक्रम में शिक्षा पर हुई विस्तृत चर्चा

रूड़की, संवाददाता। कोर यूनिवर्सिटी रूड़की में भारत ज्ञान समागम का आयोजन हुआ। यह समागम शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसमें देश भर के 22 राज्यों के 50 से अधिक कुलपतियों और 500 से अधिक विद्यालयों के प्राचार्यों ने भाग लिया। समागम के मुख्य अतिथि उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह, मुख्य अतिथि शिव खेड़ा थे।

इस कार्यक्रम में शिक्षा के नये आयामों पर मंथन हुआ, जिसमें विशेषज्ञों ने नई शिक्षा नीति में मल्टीडिसिप्लिनरी रेगुलेशन, इनोवेशन, टेक्नोलॉजी और एंटरप्रेन्योरशिप को शिक्षा में शामिल करने पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर जोर दिया। यह पहली बार है जब कोई निजी विश्वविद्यालय इस तरह का कार्यक्रम आयोजित किया है।

समागम में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षकों को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड और एक्सेमप्लेरी अवार्ड से सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक डॉ. गेसू ठाकुर और डॉ. मनीष कुमार माथुर ने बताया कि इस समागम का उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में विचारों का आदान-प्रदान करना और शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए नई रणनीतियां विकसित करना था। बहुप्रतीक्षित शिक्षा शिखर सम्मेलन एक भव्य उद्घाटन समारोह के साथ शुरू हुआ। मुख्य अतिथि ने प्रेरणादायक भाषण दिया, जिसमें शिक्षा में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। पैनल चर्चाओं के दौरान उच्च शिक्षा में नवाचार और उद्यमिता पर विचार-विमर्श हुआ।

विशेषज्ञों ने भविष्य के नौकरी रचनाकारों को तैयार करने में विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

उद्योग जगत की हस्तियों ने अपनी अंतर्दृष्टि साझा की। उन्होंने भारतीय विश्वविद्यालयों के लिए दृष्टिकोण पर चर्चा की और भविष्य के करियर के लिए आवश्यक कौशल पर प्रकाश डाला। शिक्षा में प्रौद्योगिकी के सभी तरह के प्रभावों पर विचार मंथन हुआ। चर्चाएं एआई, आभासी वास्तविकता और अन्य इनोवेशन के प्रभावी उपयोग पर केंद्रित थीं। पैनल चर्चा के दौरान कौशल विकास रणनीतियों पर प्रकाश डाला गया। विशेषज्ञों ने बदलते कार्यबल की जरूरतों के साथ विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम को संरेखित करने पर विचार-विमर्श किया।

समागम में भारतीय शिक्षा प्रणाली के दृष्टिकोण और समावेशिता पर चर्चा हुई। पैनल चर्चा में शिक्षा में कमियों को पाटने और सभी छात्रों को समान अवसर प्रदान करने पर विचार-विमर्श किया गया। इस चर्चा में सस्टेनेबल फ्यूचर के लिए परिवर्तनकारी शिक्षा पर चर्चा हुई। उद्योग सत्र में प्रायोजकों ने अपनी प्रस्तुतियाँ दीं। भारत को 2047 की ओर आगे बढ़ाने में शिक्षा की भूमिका पर विचार-विमर्श हुआ। पाठ्यक्रम में बदलाव, अनुसंधान फोकस और सहयोगात्मक भागीदारी पर ध्यान दिया गया। पैनल चर्चा में समावेशी शिक्षा रणनीतियों पर चर्चा हुई।

विशेषज्ञों ने कक्षा में विविध सीखने की जरूरतों को पूरा करने पर विचार-विमर्श किया। समागम समापन सत्र के साथ संपन्न हुआ। जिसमें उत्कृष्ट योगदान के लिए पुरस्कार प्रदान किए गए। समागम कुलपतियों और उत्कृष्ट प्राचार्यों की सराहना के साथ समाप्त हुआ। गंगा आरती और सांस्कृतिक संध्या के साथ समारोह का समापन हुआ।

कोर यूनिवर्सिटी के चांसलर श्री जेसी जैन ने कहा, सम्मेलन का उद्देश्य विचारों को साझा करना और शिक्षा के लिए बेहतर तरीके तैयार करना था। विशेषज्ञों ने नई शिक्षा योजना में विभिन्न क्षेत्रों के संयोजन, नवाचार, प्रौद्योगिकी और व्यवसाय शुरू करने जैसे नए पहलुओं के बारे में बात की। यह पहली बार है कि किसी निजी विश्वविद्यालय ने इस तरह का कार्यक्रम आयोजित किया है। सम्मेलन में शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन काम करने वाले शिक्षकों को लाइफटाइम अचीवमेंट और अनुकरणीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

बद्री विशाल ११ फरवरी २०२४ (पृष्ठ न0 ७)

भारत ज्ञान समागम में शिक्षा के नए आयाम पर किया गया मंथन

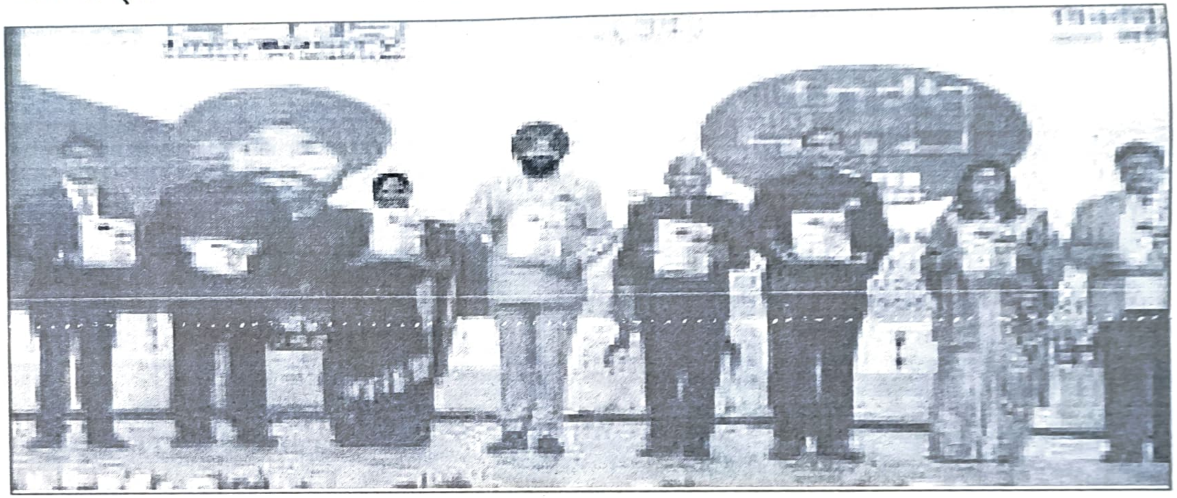

रुड़की, 10 फरवरी (अनिल) : कोर यूनिवर्सिटी में 'भारत ज्ञान समागम' का आयोजन किया गया। इसमें देश भर के 22 राज्यों के 50 से अधिक कुलपतियों और 500 से अधिक विद्यालयों के प्राचार्यों व प्रधानाध्यापकों ने भाग लिया। समागम में बतौर मुख्य अतिथि राज्यपाल गुरमीत सिंह व शिव खेड़ा शामिल हुए। कार्यक्रम में शिक्षा के नए आयामों पर मंथन हुआ, जिसमें विशेषज्ञों ने नई शिक्षा नीति में मल्टीडिसिप्लिनरी रेगुलेशन, इनोवेशन, टेक्नोलॉजी और एंटरप्रेन्योरशिप को शिक्षा में शामिल करने पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस मौके पर डॉ. गेसू ठाकुर, डॉ. मनीष कुमार माथुर, जेसी जैन आदि मौजूद रहे।

पंजाब केसरी (उत्तराखंण्ड टाईम्स) ११ फरवरी २०२४ (पृष्ठ न0 ३)

शिक्षा में नवाचार और उद्यमिता बढ़ाने पर जोर दिया

कोर विश्वविद्यालय रुड़की में हुए भारत ज्ञान समागम में पहुंचे राज्यपाल, कहा- इस समारोह से समाज एवं ज्ञान-विज्ञान को मिलेगी नई दिशा

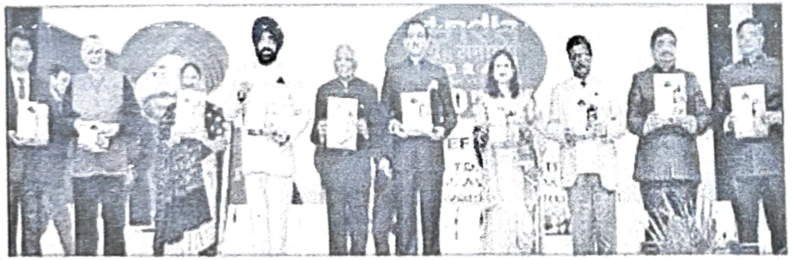

कोर विश्वविद्यालय रुड़की में पुस्तक का विमोचन करते राज्यपाल ले.ज. (सेनि.) गुरमीत सिंह, शिव खेड़ा और अन्य। संवाद

रील बनाने के बजाय भविष्य की तैयारी करें : शिव

मोटिवेशनल स्पीकर शिव खेड़ा कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। उन्होंने कहा कि छात्रों के सफल होने के लिए ध्यान केंद्रित करना चाहिए, जो भी करो पूरी ईमानदारी के साथ करो। शिव खेड़ा ने कहा कि आजकल की जनरेशन 24 घंटे में कम से कम 4 घंटे सोशल साइट पर रील और पोस्ट में बिता रही है। यही समय उन्हें भविष्य के लिए लगाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो लोग किसी व्यवसाय में हैं उनको ईमानदारी के साथ काम करना चाहिए। कहा कि आवश्यकता हो तो कोई भी मुझसे सुझाव ले सकता है।

संवाद न्यूज एजेंसी

बहादराबाद। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेनि.) गुरमीत सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालयों का यह सही समय है जब उन्हें अध्ययन, अनुसंधान और समर्पण के माध्यम से आगे बढ़ना है। इस समय हमें अपने विश्वविद्यालयों को तराशने और उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उच्चतर मानकों और दर्शनों के साथ मिलकर उन्हें विश्वस्तरीय शिक्षण संस्थानों में बदलना है।

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेनि.) गुरमीत सिंह शनिवार को कोर विश्वविद्यालय रुड़की में विकसित भारत अभियान के तहत 'भारत ज्ञान समागम-2024' कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे। उन्होंने कहा कि इस समारोह के आयोजन से हमारे समाज एवं ज्ञान-विज्ञान को एक नई दिशा मिलेगी।

समागम में 22 राज्यों के 50 कुलपतियों, 500 विद्यालयों के प्राचार्यों ने हिस्सा लिया

किसी भी देश की उपलब्धियों का सच्चा प्रतिबिम्ब उस देश में स्थित शिक्षण संस्थान होते हैं। भारत की समृद्धि में हमारी समृद्ध शिक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। कहा कि शिक्षकों की समाज निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने उपस्थित शिक्षाविदों से आह्वान किया कि वे आने वाली अमृतकाल की पीढ़ी के युवाओं को अपने अनुभवों से तराशें। राज्यपाल ने शिक्षाविदों से आह्वान किया कि वे अपनी ज्ञान गंगा से भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में अपनी सहभागिता दें। उन्होंने शिक्षा में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

कोर यूनिवर्सिटी के चांसलर जेसी जैन ने कहा कि सम्मेलन का उद्देश्य विचारों को साझा करना और शिक्षा के लिए बेहतर तरीके तैयार करना था। समागम में देश भर के 22 राज्यों के 50 से अधिक कुलपतियों और 500 से अधिक विद्यालयों के प्राचार्यों ने भाग लिया।

इस दौरान डॉ. मेसू ठाकुर, डॉ. मनोज कुमार माथुर, लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. जेएमएस राणा, सुनिता जैन, प्रो. वाइस चांसलर श्रेयांश जैन आदि मौजूद रहे।

दैनिक जनवाणी ११ फरवरी २०२४ (पृष्ठ न० ७)

भारत ज्ञान समागम : शिक्षा के नए आयाम पर हुआ मंथन

शिक्षा में नवाचार व उद्यमिता को बढ़ावा देने पर जोर दिया जाए: राज्यपाल

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। कोर यूनिवर्सिटी रुड़की में भारत ज्ञान समागम का आयोजन हुआ। यह समागम शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसमें देश भर के 22 राज्यों के 50 से अधिक कुलपतियों और 500 से अधिक विद्यालयों के प्राचार्यों ने भाग लिया।

❖22 राज्यों के 50 से अधिक कुलपतियों व 500 से अधिक प्राचार्यों ने की शिरकत

❖पहली बार किसी भी यूनिवर्सिटी द्वारा इतने बड़े पैमाने पर आयोजित कार्यक्रम में शिक्षा पर हुई विस्तृत चर्चा

समागम के मुख्य अतिथि उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह, मुख्य अतिथि शिव खेड़ा थे। इस कार्यक्रम में शिक्षा के नये आयामों पर मंथन हुआ, जिसमें विशेषज्ञों ने नई शिक्षा नीति में मल्टीडिसिप्लिनरी रेगुलेशन, इनोवेशन, टेक्नोलॉजी और एंटरप्रेन्योरशिप को शिक्षा में शामिल करने पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर जोर दिया। यह पहली बार है जब कोई निजी विश्वविद्यालय इस तरह का कार्यक्रम आयोजित किया है। समागम में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षकों को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड और एक्संम्पलेरी अवार्ड से सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि ने प्रेरणादायक भाषण दिया, जिसमें शिक्षा में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।पैनल चर्चाओं के दौरान उच्च शिक्षा में नवाचार और उद्यमिता पर विचार-विमर्श हुआ। विशेषज्ञों ने भविष्य के नौकरी रचनाकारों को तैयार करने में विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उद्योग जगत की हस्तियों ने अपनी अंतर्दृष्टि साझा की। उन्होंने भारतीय विश्वविद्यालयों के लिए दृष्टिकोण पर चर्चा की और भविष्य के करियर के लिए आवश्यक कौशल पर प्रकाश डाला। शिक्षा में प्रौद्योगिकी के सभी तरह के प्रभावों पर विचार मंथन हुआ। चर्चाएं एआई, आभासी वास्तविकता और अन्य इनोवेशन के प्रभावी उपयोग पर केंद्रित थीं। पैनल चर्चा के दौरान कौशल विकास रणनीतियों पर प्रकाश डाला गया। विशेषज्ञों ने बदलते कार्यबल की जरूरतों के साथ विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम को संरेखित करने पर विचार-विमर्श किया।

समागम में भारतीय शिक्षा प्रणाली के दृष्टिकोण और समावेशिता पर चर्चा हुई। पैनल चर्चा में शिक्षा में कमियों को पाटने और सभी छात्रों को समान अवसर प्रदान करने पर विचार-विमर्श किया गया। इस चर्चा में सस्टेनेबल फ्यूचर के लिए परिवर्तनकारी शिक्षा पर चर्चा हुई। उद्योग सत्र में प्रायोजकों ने अपनी प्रस्तुतियाँ दीं। भारत को 2047 की ओर आगे बढ़ाने में शिक्षा की भूमिका पर विचार-विमर्श हुआ। पाठ्यक्रम में बदलाव, अनुसंधान फोकस और सहयोगात्मक भागीदारी पर ध्यान दिया गया।

पैनल चर्चा में समावेशी शिक्षा रणनीतियों पर चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने कक्षा में विविध सीखने की जरूरतों को पूरा करने पर विचार-विमर्श किया। समागम समापन सत्र के साथ संपन्न हुआ। जिसमें उत्कृष्ट योगदान के लिए पुरस्कार प्रदान किए गए। समागम कुलपतियों और उत्कृष्ट प्राचार्यों की सराहना के साथ समाप्त हुआ। गंगा आरती और सांस्कृतिक संध्या के साथ समारोह का समापन हुआ।

शाह टाईम्स ११ फरवरी २०२४ (पृष्ठ न० १०)

उत्तराखण्ड

कोर विश्वविद्यालय में विकसित भारत अभियान पर एक दिन का सेमिनार शुरू

पहाड़ो की रानी ११ फरवरी २०२४ (पृष्ठ न0 ६)

Governor lauds Bharat Gyan Samagam

By OUR STAFF REPORTER

ROORKEE, 10 Feb: Governor Lt-General Gurmit Singh (Retd) participated as the Chief Guest in the 'Bharat Gyan Samagam-2024' programme under the Vikas Bharat Abhiyan at COER University on Saturday. Vice-Chancellors of more than 50 universities, Principals and educationists of more than 400 educational institutions from 20 states across the country participated in the Bharat Gyan Samagam. The Governor honored the educationists for their excellent work in the field of education and also released the souvenir of the function.

In his address the Governor praised the COER University for organizing this unprecedented event. He said that organizing this event will give a new direction to our society and knowledge-science. He said that the true reflection of the achievements of any country are the educational institutions located in that country. Our rich education system has played an important role in the prosperity of India. He stated that this is the right time for universities to move forward through study, research and dedication. It is time for us to hone our universities and transform them into world-class educational institutions by aligning them with higher standards and philosophies at the international level. He said that educational institutions have to play an important role in contributing to the development of the country. The Governor further said that universities have a very important role in shaping the future of our youth pursuing education. He said that universities should prepare such skilled youth who are not job seekers but employment providers. He said that with the help of these youth we will be able to achieve the goal of Vishwa Guru and Vishwa Bharat.

Lt-General Singh said that teachers have an important role in building society. He called upon the academicians present to groom the youth of the coming Amritkaal generation with their experiences. He called upon the academicians to contribute in taking India to new heights with their Ganga of knowledge.

The Governor expressed confidence that this conference will be an important step towards a strong and prosperous India.

Chancellor JC Jain of COER University remarked, "The aim of the conference was to share ideas and better prepare for education. Experts discussed various aspects of the new education plan, including the integration of different disciplines, innovation, technology, and business ventures. This marks the first time that a private university has organized such a program. Educators excelling in the field of education were honored with Lifetime Achievement and Recognizable Awards at the conference."

Renowned international writer and motivational speak— Shiv Khera, former Chairm— Public Service Commission JMS Rana also voiced their vi— COER University Chancellor JC Jain, Founder Sunita Jain, Pro Vice Chancellor Shreyansh Jain and many educationists were present. Gesu Thakur and Manish Kumar Mathur, the chief organizer, highlighted the conference's aim to foster idea exchange and formulate strategies for educational enhancement.

7

Garhwal Post 11.Feb.2024 Page No. 07

समाचार खास

राज्यपाल गुरमीत सिंह ने 'भारत ज्ञान समागम-2024' में भाग लिया

रुड़की (हरिद्वार)। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने शनिवार को कोर विश्वविद्यालय, रूड़की में विकसित भारत अभियान के तहत 'भारत ज्ञान समागम-2024' कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। भारत ज्ञान समागम में देशभर के 20 राज्यों के 50 से अधिक विश्वविद्यालयों के कुलपतियों और 400 से अधिक शिक्षण संस्थाओं के प्रधानाचार्यों-प्राचार्यों एवं शिक्षाविदों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में राज्यपाल ने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहे शिक्षाविदों को सम्मानित किया और समारोह की स्मारिका का भी विमोचन किया। अपने संबोधन में राज्यपाल ने इस अभूतपूर्व आयोजन के लिए कोर विश्वविद्यालय की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस समारोह के आयोजन से हमारे समाज एवं ज्ञान-विज्ञान को एक नई दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि किसी भी देश की उपलब्धियों का सच्चा प्रतिबिम्ब उस देश में स्थित शिक्षण संस्थान होते हैं। भारत की समृद्धि में हमारी समृद्ध शिक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों का यह सही समय है जब उन्हें अध्ययन, अनुसंधान और समर्पण के माध्यम से आगे बढ़ना है। यह समय हमें अपने विश्वविद्यालयों को तराशने और उन्हें अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर उच्चतर मानकों और दर्शनों के साथ मिलाकर उन्हें विश्वस्तरीय शिक्षण संस्थानों में बदलने का समय है। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थाओं को देश के विकास में योगदान देने के लिए अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करनी होगी। राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा ग्रहण कर रहे हमारे युवाओं का भविष्य संवारने में विश्वविद्यालयों की बेहद महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ऐसे कुशल युवाओं को तैयार करें जो रोजगार ढूंढने वाले न हों बल्कि रोजगार प्रदान करने वाले हों। उन्होंने कहा कि इन्हीं युवाओं के बलबूते हम विश्व गुरू और विश्व भारत के लक्ष्य को प्राप्त कर पायेंगे। राज्यपाल ने कहा कि शिक्षकों की समाज निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने उपस्थित शिक्षाविदों से आह्वान किया कि वे आने वाली अमृतकाल की पीढ़ी के युवाओं को अपने अनुभवों से तराशें। उन्होंने शिक्षाविदों से आह्वान किया कि वे अपनी ज्ञान गंगा से भारत को नई ऊँचाईयों में ले जाने में अपनी सहभागिता दें। राज्यपाल ने विश्वास जताया कि यह सम्मेलन सशक्त एवं समृद्धशील भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। इस कार्यक्रम में जाने माने अन्तर्राष्ट्रीय लेखक व प्रेरक वक्ता शिव खेड़ा, लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. जे.एम.एस राणा ने भी अपने वक्तव्य रखे। इस अवसर पर कोर विश्वविद्यालय के चांसलर जे.सी जैन, संस्थापिका सुनिता जैन, प्रो वाइस चांसलर श्रेयांश जैन सहित अनेक शिक्षाविद् उपस्थित रहे।

हिन्दुस्तान

देश को विश्व गुरु बनाने का आधार है शिक्षा : राज्यपाल

कोर विवि

हरिद्वार, संवाददाता। उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि.) ने कहा देश को 2047 तक सर्वश्रेष्ठ राष्ट्र और विश्व गुरु बनाने का आधार शिक्षा है। भारत ज्ञान समागम कार्यक्रम का उद्देश्य हमारे देश की माध्यमिक शिक्षा और उच्च शिक्षा के बीच की दूरी की समीक्षा करना और दूरी को कम करना है।

समागम में उच्च शिक्षा के बाद छात्रों के कैरियर, नौकरी और छात्रों के राष्ट्र निर्माण में सहयोग देने पर विचार-विमर्श किया गया। राज्यपाल ने कहा कि हम देश के युवाओं और छात्रों को ऐसे तैयार करें कि वह आजादी के सौ साल पूरे होने तक देश को दुनिया का नंबर एक राष्ट्र बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकें। ये बातें राज्यपाल ने कोर विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कहीं।

शनिवार को कोर विवि में सरकार के विकसित भारत अभियान कार्यक्रम के तहत भारत ज्ञान समागम कार्यक्रम आयोजित हुआ। समागम का उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में विचारों का आदान-प्रदान करना और शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए नई रणनीतियां विकसित करना था। समागम में देश के 26 राज्यों के प्रतिनिधि शामिल हुए है। साथ ही 60 वाइस चांसलर और 600 प्रधानाचार्य कार्यक्रम में चिंतन करने पहुंचे।

मुख्य अतिथि के रूप में राज्यपाल ने कहा कि भारत ज्ञान समागम का आयोजन शिक्षा के जरिए देश को विकसित राष्ट्र बनाने और युवाओं को इसके लिए तैयार करने कि दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। भारत ज्ञान समागम में होने वाले चिंतन और मंथन से राष्ट्र निर्माण के ऊपर गहरा असर होगा। समागम में काफी कुछ सीखने को मिला है। समागम में नई शिक्षा प्रणाली को धरातल पर उतारने का निर्णय लिया गया। कोर कॉलेज के चांसलर जेसी जैन ने कहा कि भारत सरकार ने साल 2027 तक देश को दुनिया कि तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का एलान किया है। सरकार के संकल्प को पूरा करने में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। देश में ऐसे युवा और छात्र तैयार करने हैं जो देश को विकसित राष्ट्र बनाने में अपनी भूमिका निभाएं और दुनिया में भारत का झंडा लहराएं।

हरिद्वार में शनिवार को कोर विवि में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पुस्तिका का विमोचन करते राज्यपाल। ● हिन्दुस्तान

शिक्षकों को सम्मानित किया: समागम में शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन काम करने वाले शिक्षकों को लाइफटाइम अचीवमेंट और अनुकरणीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

हिन्दुस्तान ११ फरवरी २०२४ (पृष्ठ न० ४)

किसी भी देश की उपलब्धियों का सच्चा प्रतिबिंब होते हैं शिक्षण संस्थान : राज्यपाल

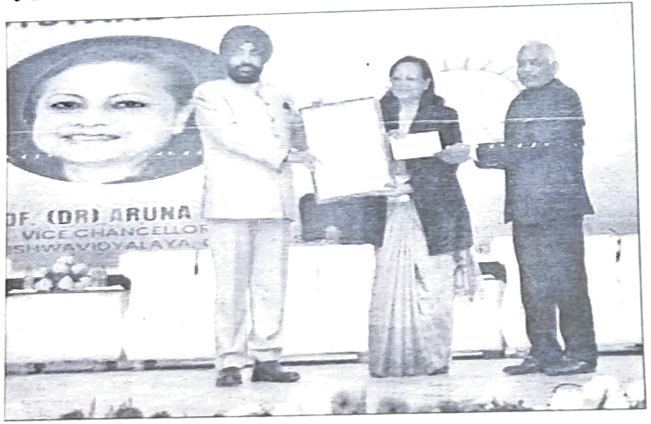

उत्तर भारत लाइव ब्यूरो

uttarbharatlive.com

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने शनिवार को कोर विश्वविद्यालय, रुड़की में विकसित भारत अभियान के तहत 'भारत ज्ञान समागम-2024' कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। भारत ज्ञान समागम में देशभर के 20 राज्यों के 50 से अधिक विश्वविद्यालयों के कुलपतियों और 400 से अधिक शिक्षण संस्थाओं के प्रधानाचार्यों/प्राचार्यों एवं शिक्षाविदों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में राज्यपाल ने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहे शिक्षाविदों को सम्मानित किया और समारोह की स्मारिका का भी विमोचन किया।

कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में राज्यपाल ने इस अभूतपूर्व आयोजन के लिए कोर विश्वविद्यालय की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस समारोह के आयोजन से हमारे समाज एवं ज्ञान-विज्ञान को एक नई दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि किसी भी देश की उपलब्धियों का सच्चा प्रतिबिम्ब उस देश में स्थित शिक्षण संस्थान होते हैं। भारत की समृद्धि में हमारी समृद्ध शिक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों का यह सही समय है जब उन्हें अध्ययन, अनुसंधान और समर्पण के माध्यम से आगे बढ़ना है। यह समय हमें अपने विश्वविद्यालयों को तराशने और उन्हें अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर उच्चतर मानकों और दर्शनों के साथ मिलाकर उन्हें विश्व स्तरीय शिक्षण संस्थानों में बदलने का समय है। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थाओं को देश के विकास में योगदान देने के लिए अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करनी होगी।

राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा ग्रहण कर रहे हमारे युवाओं का भविष्य संवारने में विश्वविद्यालयों की बेहद महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ऐसे कुशल युवाओं को तैयार करें जो रोजगार ढूंढने वाले न हों बल्कि रोजगार प्रदान करने वाले हों। उन्होंने कहा कि इन्हीं युवाओं के बलबूते हम विश्व गुरु और विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त कर पायेंगे।

राज्यपाल ने कहा कि शिक्षकों की समाज निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने उपस्थित शिक्षाविदों से आह्वान किया कि वे आने वाली अमृतकाल की पीढ़ी के युवाओं को अपने अनुभवों से तराशें। उन्होंने शिक्षाविदों से आह्वान किया कि वे अपनी ज्ञान गंगा से भारत को नई ऊँचाईयों में ले जाने में अपनी सहभागिता दें।

राज्यपाल ने विश्वास जताया कि यह सम्मेलन सशक्त एवं समृद्धशील भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। इस कार्यक्रम में जाने माने अन्तर्राष्ट्रीय लेखक व प्रेरक वक्ता शिव खेड़ा, लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. जे.एम.एस राणा ने भी अपने वक्तव्य रखे। इस अवसर पर कोर विश्वविद्यालय के चांसलर जे.सी. जैन, संस्थापिका सुनिता जैन, प्रो वाइस चांसलर श्रेयांश जैन सहित अनेक शिक्षाविद् उपस्थित रहे।

उत्तर भारत लाईव ११ फरवरी २०२४ (पृष्ठ न0 ३)

शिक्षा में नवाचार और उद्यमिता को मिले बढ़ावा

'भारत ज्ञान समागम' में शिक्षा के नये आयाम पर हुआ मंथन

● जनवाणी संवाददाता, रुड़की

कोर यूनिवर्सिटी रूड़की में 'भारत ज्ञान समागम' का आयोजन हुआ। यह समागम शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसमें देश भर के 22 राज्यों के 50 से अधिक कुलपतियों और 500 से अधिक विद्यालयों के प्राचार्यों ने भाग लिया।

समागम के मुख्य अतिथि उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह, मुख्य अतिथि शिव खेड़ा रहे। कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने नई शिक्षा नीति में मल्टीडिसिप्लिनरी रेगुलेशन, इनोवेशन, टेक्नोलॉजी और एंटरप्रेन्योरशिप को शिक्षा में शामिल करने पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक डॉ. गेसू ठाकुर और डॉ. मनीष कुमार माथुर ने बताया कि इस समागम का उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में विचारों का आदान-प्रदान करना और शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए नई रणनीतियां विकसित करना रहा। बहुप्रतीक्षित शिक्षा शिखर सम्मेलन एक भव्य उद्घाटन समारोह के साथ शुरू हुआ। मुख्य अतिथि ने प्रेरणादायक भाषण दिया, जिसमें शिक्षा में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। कोर यूनिवर्सिटी के चांसलर जेसी जैन ने कहा कि सम्मेलन का उद्देश्य विचारों को साझा और शिक्षा के लिए बेहतर तरीके तैयार करना रहा। विशेषज्ञों ने नई शिक्षा योजना में विभिन्न क्षेत्रों के संयोजन, नवाचार, प्रौद्योगिकी और व्यवसाय शुरू करने जैसे नए पहलुओं के बारे में बात की।

शिक्षाविद आने वाली अमृतकाल की पीढ़ी के युवाओं को अपने अनुभवों से तराशें

रुड़की। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहे शिक्षाविदों को सम्मानित किया और समारोह की स्मारिका का भी विमोचन किया। कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में राज्यपाल ने इस अभूतपूर्व आयोजन के लिए कोर विश्वविद्यालय की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस समारोह के आयोजन से हमारे समाज एवं ज्ञान-विज्ञान को एक नई दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि किसी भी देश की उपलब्धियों का सच्चा प्रतिबिम्ब उस देश में स्थित शिक्षण संस्थान होते हैं। भारत की समृद्धि में हमारी समृद्ध शिक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों का यह सही समय है जब उन्हें अध्ययन, अनुसंधान और समर्पण के माध्यम से आगे बढ़ना है। यह समय हमें अपने विश्वविद्यालयों को तराशने और उन्हें अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर उच्चतर मानकों और दर्शनों के साथ मिलाकर उन्हें विश्वस्तरीय शिक्षण संस्थानों में बदलने का समय है। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थाओं को देश के विकास में योगदान देने के लिए अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करनी होगी। राज्यपाल ने कहा कि शिक्षकों की समाज निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने उपस्थित शिक्षाविदों से आह्वान किया कि वे आने वाली अमृतकाल की पीढ़ी के युवाओं को अपने अनुभवों से तराशें।

दैनिक जनवाणी ११ फरवरी २०२४ (पृष्ठ न० ७)

राज्यपाल ने भारत ज्ञान समागम कार्यक्रम में शिक्षकों को किया सम्मानित

गोल्डन टाइम्स

रुड़की (आरिफ नियाजी) रुड़की कोर यूनिवर्सिटी में भारत ज्ञान समागम 2024 कार्यक्रम में प्रमुख हस्तियों ने शिरकत की सबसे पहले राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह को गार्ड ऑफ ऑनर की सलामी दी गयी। गौरतलब है कि विकसित भारत अभियान के अंतर्गत भारत ज्ञान समागम 2024 कार्यक्रम आयोजित किया गया है जिसमें देश भर के 22 राज्यों के 50 से अधिक कुलपतियों और 500 से अधिक विद्यालयों के प्राचार्यों ने भाग लिया। शिक्षा समागम में भारत में उच्च शिक्षा के भविष्य में सुधार पर चर्चा की गई साथ ही उच्च शिक्षा और प्राथमिक शिक्षा में सामंजस्य बनाने व बेहतर बनाने को लेकर भी चर्चा की गई। इस कार्यक्रम में शिक्षा के नये आयामों पर मंथन हुआ जिसमें विशेषज्ञों ने नई शिक्षा नीति में टेक्नोलॉजी को शिक्षा में शामिल करने पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर जोर दिया गया । समागम में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षकों को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड और एक्सेम्प्लेरी अवार्ड से सम्मानित भी किया गया। मुख्य अतिथि राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने प्रेरणादायक भाषण दिया जिसमें शिक्षा में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि सम्मेलन का उद्देश्य विचारों को साझा करना और शिक्षा के लिए

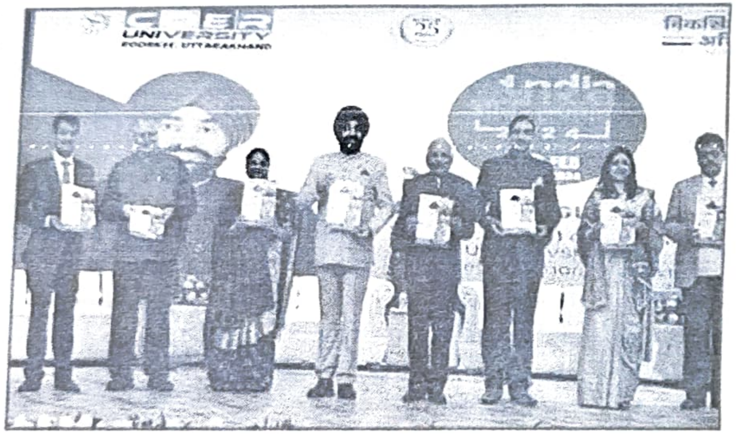

बेहतर तरीके से तैयार करना था।

– पहली बार किसी भी यूनिवर्सिटी द्वारा इतने बडे पैमाने पर आयोजित कार्यक्रम में शिक्षा पर विस्तृत चर्चा हुई

इस कार्यक्रम में शिक्षा के नये आयामों पर मंथन हुआ, जिसमें विशेषज्ञों ने नई शिक्षा नीति में मल्टीडिसिप्लिनरी रेगुलेशन, इनोवेशन, टेक्नोलॉजी और एंटरप्रेन्योरशिप को शिक्षा में शामिल करने पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर जोर दिया।समागम में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षकों को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड और एक्सेम्प्लेरी अवार्ड से सम्मानित भी किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य आयोजक डॉ. गेसू ठाकुर और डॉ. मनीष कुमार माथुर ने बताया कि इस समागम का उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में विचारों का आदान–प्रदान करना और शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए नई रणनीतियां विकसित करना था।

बहुप्रतीक्षित शिक्षा शिखर सम्मेलन एक भव्य उद्घाटन समारोह के साथ शुरू हुआ। मुख्य अतिथि ने प्रेरणादायक भाषण दिया, जिसमें शिक्षा में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।

पैनल चर्चाओं के दौरान उच्च शिक्षा में नवाचार और उद्यमिता पर विचार–विमर्श हुआ। विशेषज्ञों ने भविष्य के नौकरी रचनाकारों को तैयार करने में विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

उद्योग जगत की हस्तियों ने अपनी अंतर्दृष्टि साझा की। उन्होंने भारतीय विश्वविद्यालयों के लिए दृष्टिकोण पर चर्चा की और भविष्य के करियर के लिए आवश्यक कौशल पर प्रकाश डाला। शिक्षा में प्रौद्योगिकी के सभी तरह के प्रभावों पर विचार मंथन हुआ। चर्चाएं एआई, आभासी वास्तविकता और अन्य इनोवेशन के प्रभावी उपयोग पर केंद्रित थीं।

पैनल चर्चा के दौरान कौशल विकास रणनीतियों पर प्रकाश डाला गया। विशेषज्ञों ने बदलते कार्यबल की जरूरतों के साथ विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम को संरेखित करने पर विचार–विमर्श किया।

समागम में भारतीय शिक्षा प्रणाली के दृष्टिकोण और समावेशिता पर चर्चा हुई। पैनल चर्चा में शिक्षा में कमियों को पाटने और सभी छात्रों को समान अवसर प्रदान करने पर विचार–विमर्श किया गया। इस चर्चा में सस्टेनेबल फ्यूचर के लिए परिवर्तनकारी शिक्षा पर चर्चा हुई। उद्योग सत्र में प्रायोजकों ने अपनी प्रस्तुतियाँ दीं। भारत को 2047 की ओर आगे बढ़ाने में शिक्षा की भूमिका पर विचार–विमर्श हुआ। पाठ्यक्रम में बदलाव, अनुसंधान फोकस और सहयोगात्मक भागीदारी पर ध्यान दिया गया।

पैनल चर्चा में समावेशी शिक्षा रणनीतियों पर चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने कक्षा में विविध सीखने की जरूरतों को पूरा करने पर विचार–विमर्श किया। समागम समापन सत्र के साथ संपन्न हुआ। जिसमें उत्कृष्ट योगदान के लिए पुरस्कार प्रदान किए गए। समागम कुलपतियों और उत्कृष्ट प्राचार्यों की सराहना के साथ समाप्त हुआ। गंगा आरती और सांस्कृतिक संध्या के साथ समारोह का समापन हुआ।

कोर यूनिवर्सिटी के चांसलर जेसी जैन ने कहा की सम्मेलन का उद्देश्य विचारों को साझा करना और शिक्षा के लिए बेहतर तरीके तैयार करना था। विशेषज्ञों ने नई शिक्षा योजना में विभिन्न क्षेत्रों के संयोजन, नवाचार, प्रौद्योगिकी और व्यवसाय शुरू करने जैसे नए पहलुओं के बारे में बात की।

सम्मेलन में शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन काम करने वाले शिक्षकों को लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया।

गोल्डन टाईम्स ११ फरवरी २०२४ (पृष्ठ न0 १)